दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

क्षितिज किरण

RNI No.MPHIN/2003/10309

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-21 अंक-307 सीहोर, शुक्रवार 31 जनवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

पन्ना में सीमेंट फैक्ट्री में बड़ा हादसा, स्लैब गिरने से कई मजदूरों की मौत हुई

पन्ना (ए.)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में जेके सीमेंट प्लांट में एक बड़ा हादसा हुआ है। गुरुवार सुबह निर्माणाधीन छत का स्लैब गिरने से कई मजदूरों की मौत हुई और कई घायल हो गए। हादसे के समय सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। अभी तक मृतकों और घायलों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा हैं कि करीब 5 मजदूरों की मौत हुई है। यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। पन्ना के जेके सीमेंट प्लांट में एक नया हिस्सा बन रहा था। इसमें छत का स्लैब डाला जा रहा था। सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। तभी, जिस ढांचे पर खड़े होकर मजदूर काम कर रहे थे, वहां ढांचा गिर गया। इसके गिरने से कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए।वहीं कंपनी सूत्रों के अनुसार, दो से ज्यादा मजदूरों की मौत हुई है। कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीमेंट संयंत्र इकाई में हुई दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

भोपाल (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना जिले की अमानगंज तहसील में सेमरिया थाना क्षेत्र में स्थित जेके सीमेंट संयंत्र इकाई में निर्माणाधीन छत शंटिंग गिर जाने से हुई दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया है। यह घटना गुरूवार 30 जनवरी को हुई है जिसमें 4 व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु हो गई है। इनमें से तीन व्यक्ति बिहार के पूर्णिया जिले के निवासी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दुर्घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। कमिश्नर सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने पवई विधायक प्रह्लाद लोधी, सीमेंट संयंत्र के महाप्रबंधक, डीआईजी छतरपुर और पन्ना जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि प्रदान करने की कार्यवाही की है। इस दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के परिजन को सीमेंट संयंत्र प्रबंधन की ओर से 18-18 लाख रुपए एवं बीमा राशि चार लाख रुपए सहित 50-50 हजार रुपए अंत्येष्टी सहायता के रूप में प्रदान किए जा रहे हैं।

मौनी अमावस्या के स्नान के बाद 12 लाख श्रद्धालुओं को रेलवे के माध्यम से उनके गंतव्य तक पहुंचाया : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (आरएनएस)। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भारतीय रेलवे की तरफ से कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इस बीच, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे द्वारा चलाई जा रही ट्रेनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या पर रेलवे ने 364 ट्रेनों का संचालन किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए बताया, महाकुंभ में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए बुधवार को 364 ट्रेनें चलाई गई हैं।

महाकुंभ में भगदड़ के बाद प्रशासन हुआ सख्त, मेले क्षेत्र में किए पांच बड़े बदलाव

क्षेत्र को किया नो-व्हीकल जोन घोषित, वीवीआईपी पास भी किए रद्द

प्रयागराज,(ए.)। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ और दुखद मौतों के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं, जिसके तहत मेला क्षेत्र में पांच बड़े बदलाव किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है, जिससे किसी भी प्रकार के वाहन अंदर जाने की मनाही है। यही नहीं वीवीआईपी पास और ट्रैफिक को लेकर भी परिवर्तन किए हैं।

सीएम योगी के सख्त निर्देशों के बाद श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए मेला क्षेत्र के लिए पांच फैसले लिए गए हैं ताकि आने वाले समय में ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके। पुलिस प्रशासन के लिए अब बसंत पंचमी पर अमृत स्नान को कुशलता पूर्वक संपन्न कराने की चुनौती है जिसे देखते मेला क्षेत्र पूरी तरह नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है जिसके तहत सभी प्रकार के वाहनों का मेला क्षेत्र में प्रवेश प्रतिबंध रहेगा। मेला प्रशासन की ओर से वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए हैं। किसी भी विशेष पास के जरिए वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा। मेला क्षेत्र में रास्ते वन-वे किए गए हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए एक तरफा रास्ते की व्यवस्था की है जिसके तहत श्रद्धालुओं के एक रास्ते से एंट्री मिलेगी और दूसरे रास्ते से बाहर आ सकेंगे। वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई है। प्रयागराज से सटे जिलों से आने वाले वाहनों को जिले की सीमा पर ही रोका जा रहा है। 4 फरवरी बसंत पंचमी का स्नान संपन्न होने तक यह प्रतिबंध लागू रहेंगे। शहर में चार पहिया वाहनों की एंट्री पर पूरी तरह से रोक रहेगी।भगदड़ की घटना के बाद प्रशासन अब लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं, इसलिए ये सख्त नियम लागू किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य कुंभ क्षेत्र में भीड़ को नियंत्रित करना और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने में सहयोग करें।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि : राजघाट जाकर राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी और राहुल ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,(ए)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गुरुवार 30 जनवरी को 77वीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत सभी बड़े नेताओं ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत राजघाट पहुंचे पीएम मोदी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे समेत अनेक नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म में लिखा, कि पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी सेवा और बलिदान को याद करता हूं। वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती है, संपूर्ण विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत्-शत् नमन।

भारत और जापान के आत्मीय संबंधों की डोर अटूट है : सीएम डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ओसाका में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र में हुए शामिल

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जापान और भारत में अनेक समानताएं हैं। भारत और जापान के बीच संबंध केवल राजनायिक या आर्थिक नहीं है बल्कि यह आत्मीयता, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी सम्मान पर आधारित एक गहरी मित्रता है। दोनों देशों के रिश्ते सदियों पुराने है जो बौद्ध धर्म, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग से सशक्त हुए है। यहाँ की सूर्यनारायण संस्कृति हो या गौतम बुद्ध के बताये मार्ग, दोनों ही देशों में समान रूप से दिखाई देते हैं। इन दोनों देशों की आत्मीयता देखकर यह भी कहा जा सकता है कि जैसे भारत और जापान दो बिछड़े भाई हों। जापान जीवन के प्रति आस्था का प्रतीक भी है। यहाँ के नागरिकों से काम की गुणवत्ता, कर्त्तव्यनिष्ठा और कर्मशीलता के साथ ही जीवन को आनंद के साथ जीने की सीख मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान यात्रा के तीसरे दिन गुरुवार को ओसाका में उद्योगपतियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे।

जापान के उद्योगों के लिये मध्यप्रदेश में निवेश के हैं अच्छे अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस, प्रचुर खनिज संसाधन, स्वच्छतम् राज्य और देश के दूसरे बड़े शहरों से आवागमन के साधनों से अच्छी तरह कनेक्टेड है, साथ ही राज्य में उद्योग-मित्र नीतियां लागू की गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज डबल-डिजिट की विकास दर से आगे बढ़ रहा है। इसलिए, जापान की आधुनिकतम तकनीकों से संपन्न उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अच्छे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने ओसाका के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। अगर उद्योगपति बड़ा मन लेकर आते हैं तो हम उनके सपनों को पंख देने के लिये तत्पर हैं। उन्होंने सभी निवेशकों को भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीत 'अपने लिये जिये तो क्या जिये....' को उद्धृत करते हुए कहा कि उद्योगपित मात्र अपने व्यापारिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों के जीविकोपार्जन में सहयोग कर लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत के जीवन मूल्य एक जैसे ही हैं। हमारे यहां श्रमिकों के कल्याण की भावना के साथ उद्यमिता होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निवेश और निवेशकों के साथ हम कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। हम आपके सपनों को उड़ान देने को तैयार हैं।

घरेलू कामगारों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने पर हो विचार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। देश की शीर्ष अदालत ने घरेलू कामगारों के अधिकारों की सुरक्षा और नियमन के लिए कानून बनाने की सिफारिश करते हुए केंद्र सरकार से कहा है कि घरेलू कामगारों के नियमन और सुरक्षा के लिए कानूनी उपाय सुझाए जाएं। इसके लिए समिति गठित की जाए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने समिति से छह महीने में रिपोर्ट देने के लिए कहा है।जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने घरेलू कामगारों से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और संबंधित मंत्रालयों को निर्देश जारी किए। समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद केंद्र सरकार को घरेलू कामगारों की गरिमा और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कानून लाने का प्रयास करना चाहिए।खंडपीठ ने कहा कि हालांकि घरेलू कामगार एक आवश्यक कार्यबल हैं, लेकिन उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कोई अखिल भारतीय कानून नहीं है। इसलिए वे नियोक्ताओं और एजेंसियों द्वारा शोषण के लिए असुरक्षित हैं। खंडपीठ ने आपराधिक अपील का निपटारा करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

जीबीएस से पुणे में हुई दूसरी मौत, अब तक 127 मामले आए

पुणे(ए)। महाराष्ट्र में गुलेन बैरी सिंड्रोम से एक और शख्स की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर दो हो गई है जबकि 16 नए मामले सामने आए हैं। इस सिंड्रोम के अब तक 127 मामले सामने आ चुके हैं। इससे लगातार बढ़ रही संख्या को लेकर 200 ब्लड सैंपल एनआईवी पुणे भेजे गए हैं। इससे पहले गुलेन बैरी सिंड्रोम से पुणे शहर में पहली मौत का मामला सामने आया था। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने इस संक्रमण में अचानक वृद्धि की जांच के लिए एक रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन किया था। गुलेन बैरी सिंड्रोम एक दुर्लभ स्थिति है, जो शरीर में अचानक सुन्नता और मांसपेशियों में कमजोरी का कारण बनती है। इसमें अंगों में गंभीर कमजोरी, दस्त आदि शामिल हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, बैक्टीरिया और वायरल संक्रमण आमतौर पर जीबीएस का कारण बनते हैं क्योंकि वे रोगियों की इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं।

केजरीवाल के घर के बाहर स्वाति मालीवाल ने फेंका कचरा, पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली(ए)। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। स्वाति गुरुवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर कूड़ा गाड़ी लेकर पहुंचीं और पूरा कूड़ा फेंककर प्रदर्शन कर रही थीं।पुलिस ने जब उन्हें डिटेन किया तो उन्होंने कहा, आज पूरी दिल्ली कूड़े का ढेर बन गई है। मैं यहां अरविंद केजरीवाल से मिलने आई थी। लेकिन पुलिस ने मुझे डिटेन कर लिया है। स्वाति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केजरीवाल के खिलाफ कई पोस्ट किए। पहले पोस्ट में स्वाति ने लिखा, विकासपुरी इलाके में सड़कों पर सालों से कूड़े का ढेर लगा है। लोगों में बहुत गुस्सा है। ये सारा कचरा उठाकर केजरीवाल के घर फेंकने जा रहे हैं। बुरा हाल कर रखा है पूरी दिल्ली का। जो गंदगी और बदबू दिल्लीवासी रोज झेलते हैं, आज वो केजरीवाल झेलेंगे। जनता आ रही है केजरीवाल जी, डरना मत। स्वाति पोस्ट डालने के बाद केजरीवाल के आवास पर पहुंची।

अपनी ही सरकार के खिलाफ हुए अनिल विज, बोले- नायब सरकार के खिलाफ करूंगा डल्लेवाल जैसा अनशन

अंबाला (आरएनएस)। हरियाणा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खड़ा कर दिया हैं। विज ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह अनशन करने का भी ऐलान कर दिया है।

दरअसल, बिजली एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने हाल ही में अंबाला कैंट सदर थाने के एसएचओ को सस्पेंड करने के आदेश दिए थे। उन्होंने हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को भी फोन कर कहा था कि मुझे सस्पेंशन ऑर्डर चाहिए। लेकिन एसएचओ को सस्पेंड नहीं किया गया है और वह अभी भी ड्यूटी पर हैं। हरियाणा के गृह विभाग ने एसएचओ को सस्पेंड नहीं किया है। गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के पास है। इस से मंत्री अनिल विज बुरी तरह खफा हो गए हैं। विज के गृह जिले में ही उनके आदेश लागू न होने से उनकी छवि पर भी आंच आई है। ऐसे में अनिल विज ने कहा है कि वे अब ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि जब ग्रीवेंस कमेटी की मीटिंग में उनकी ओर से दिए आदेशों को लागू नहीं किया जाता तो फिर मीटिंग में जाने का क्या मतलब है। उन्होंने चेतावनी तक दे डाली कि अगर जरूरत पड़ी तो वे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की तरह अनशन भी करेंगे। अनिल विज ने कहा कि मैं अंबाला की जनता के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। अनिल विज ने अंबाला में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब मैं ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में शामिल नहीं होऊंगा, क्योंकि इस मीटिंग में जारी आदेशों का पालन नहीं होता। ऐसी बैठकों में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे बाकी हरियाणा का तो पता नहीं, लेकिन अंबाला की जनता के हकों के लिए मैं हमेशा लड़ता रहूंगा।

विज ने कहा कि जिस तरह किसानों की मांगों के लिए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन कर रहे हैं, उसी तरह अगर अनशन करना पड़े तो मैं वो भी करूंगा। 23 दिसम्बर को अंबाला कैंट के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज ने जनता दरबार लगाया था।

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उन्नयन के लिए 414 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी का माना आभार

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उन्नयन के लिए दी गई स्वीकृति के लिए आभार माना है। मध्यप्रदेश के विकास को गति प्रदान करने के लिए 414 करोड़ 84 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस स्वीकृति से सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन के महत्वपूर्ण कार्य होंगे। निश्चित ही शिवपुरी और अशोक नगर के साथ अन्य जिलों को भी इसका लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश के विकास को गति मिलेगी और नागरिकों को सुगम यातायात सुविधा मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश के शिवपुरी और अशोक नगर जिलों में चंदेरी, बामोर कलां, अचरोनी और चंदेरी लिंक बायपास सहित राष्ट्रीय राजमार्ग-346 के खंड (कुल लंबाई 55.80 किमी) चंदेरी-पिछोर रोड के पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन के उन्नयन और निर्माण के लिए 414 करोड़ 84 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-346 (कुल लंबाई 334.55 किलोमीटर) झारखेड़ा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-46 आगरा के साथ अपने जंक्शन से शुरू होता है मुंबई रोजड जो बैरसिया (SH-23), विदिशा (NH-86 एक्सटेंशन), कुरवाई (SH-14), मुंगावली, चंदेरी, पिछोर को जोड़ता है और राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर दिनारा में समाप्त होता है। प्रस्तावित परियोजना का विस्तार प्रदेश के शिवपुरी और अशोक नगर जिलों से होकर गुजरता है। इस क्षेत्र में

ऐतिहासिक चंदेरी किला और स्थानीय वस्त्र शिल्प कला केंद्र अशोक नगर जिले में स्थित हैं। यह खंड चंदेरी, गोधन, बुढ़ानपुर, बिजरावां, नया गांव, पिपरा अछरौनी, शिवपुरी, हीरापुर, नायगांव और सुजवाहा गांवों से होकर गुजरता है और उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से अंतर्राज्यीय- कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करता है। परियोजना के क्रियान्वयन से इस खंड पर यातायात सघनता कम होगी और सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई और एक महत्वपूर्ण स्वीकृति भोपाल-कानपुर इकोनामिक कॉरीडोर को फोरलेन में अपग्रेड करने के लिए भी प्रदान की जा चुकी है।

पेट से बड़ी आंत तक फैल गया था कैंसर, डॉक्टरों ने छोटी आंत से अमाशय बनाकर बचाई मरीज की जिंदगी

भोपाल, (आरएनएस)। हमीदिया अस्पताल में गत दिवस दनिया की सबसे दुर्लभ बीमारी का सफल ऑपरेशन किया गया। पेट और बड़ी आंत में फैले दुर्लभ कैंसर से जूझ रहे मरीज काा नया अमाशय बनाकर मरीज को नई जिंदगी दी। डॉक्टरों के मुताबिक दुनिया भर के मेडिकल जर्नल्स में अब तक इस तरह के महज 15 केस की रिपोर्ट किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 44 वर्षीय एक मरीज लंबे समय से पाचन संबंधी परेशानियों से जूझ रहा था। भोजन पचने की जगह मल के रास्ते शरीर से बाहर निकल रहा था। यही नहीं खाना खाने के बाद मरीज को पेट में तेज दर्द भी होता था। मरीज जांच कराने के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचा। यहां कई जांच की गई। जांच रिपोर्ट में पता चला कि मरीज के पेट में दुर्लभ कैंसर है, जो अमाशय से लेकर बड़ी आंत तक फैल गया है। इस बीमारी को मेलिग्नेंट गैस्ट्रोलॉलिक फिस्टुला कहते हैं।

07079/07080 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन 01-01 ट्रिप

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुंभ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 07079/07080 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 07079 चर्लपल्ली-दानापुर कुंभ मेला विशेष ट्रेन 01 ट्रिप

गाड़ी संख्या 07079 चर्लपल्ली-दानापुर कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 05 फरवरी 2025 (बुधवार) को चर्लपल्ली स्टेशन से दोपहर 15.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 06.05 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए उसी दिन रात 23.00 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07080 दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन 01 ट्रिप

गाड़ी संख्या 07080 दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 07 फरवरी 2025 (शुक्रवार) को दोपहर 15.00 बजे दानापुर स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 07.10 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए उसी दिन रात 23.45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में जंगाओं, काज़ीपेट जंक्शन, पेद्दापल्ली, रामगुंडम, मंचेरियल, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 4 सामान्य श्रेणी, 7 शयनयान श्रेणी, 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी एवं 4 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के डिब्बे सहित कुल 19 डिब्बे होंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

भोपाल बनेगा किंग कोबरा का ब्रीडिंग सेंटर

भोपाल,(आरएनएस)। प्रदेश के जंगलों में कोबरा के लिए भोपाल में किंग कोबरा ब्रीडिंग सेंटर बनाए जाने की तैयारी है, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वन विभाग को मप्र से विलुप्त किंग कोबरा को फिर स्थापित किए जाने के लिए कहा था। वन विभाग कर्नाटक से जल्द कोबरा का जोड़ा लाने की तैयारी कर रहा है। सेंट्रल जू अथॉरिटी से सहमति मिल गई है, इन कोबरा को भोपाल के वन विहार में रखा जाएगा और उनकी ब्राडिंग कर उन्हें बाद में जंगलों में छोड़ा जाएगा। वन विभाग के चीफवाइल्ड लाइफवार्डन शुभरंजन सेन के मुताबिक विभाग द्वारा किंग कोबरा का जोड़ा लाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निक्षय मित्र बने और टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने 3 करोड़ की लागत से निर्मित पिपलिया मंडी सर्किट हाउस का लोकार्पण किया

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने पिपलिया मंडी में 3 करोड़ 14 लाख 80 हजार रुपए की लागत से निर्मित नवीन विश्रामगृह एवं दो नग आई टाइप आवास गृह का लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे भारत में टीबी मुक्त भारत अभियान चल रहा है। इसके लिए सभी निक्षय मित्र बने। टीबी मरीजों को गोद ले और मरीजों को फूड बास्केट प्रदान कर पुण्य का काम करें। इस कार्य में हम सभी को सहयोग करना है।लोकार्पण अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, राजेश दीक्षित, जनपद अध्यक्षा श्रीमती इंदिरा, उपाध्यक्ष भरत सिंह, मल्हारगढ़ जनपद अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा पाटीदार सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत राजेश कुमार जैन, विकासखंड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में आम नागरिक, पत्रकार मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि देश की जनता की ताकत को आधार बनाकर देश को विश्व गुरु के स्थान पर लाने का संकल्प सरकार ने लिया है। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि 2047 में देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत होगी। 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होंगे।

इसके लिए सरकार ने आगामी 25 साल का रोड मैप बनाया। 25 साल बाद देश कैसा होगा यह सरकार ने संकल्प लिया। आर्थिक रूप से देश संपन्न होगा विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति होगी। मंदसौर में औद्योगिक निवेश हो इस पर लगातार कोशिश की जा रही है। छुट्टी हुई सड़कों को बजट में लिया जा रहा है। कोई भी परिवार बिना मकान के नहीं रहेगा। सभी को समान अधिकार प्रदान किया जा रहे हैं। सरकार युवा, गरीब, किसान, महिलाओं पर विशेष तौर पर काम कर रही हैं। हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं। जिससे आसानी से गरीब व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। पूरे देश में एक जैसी व्यवस्था हो, किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं हो, इस पर सरकार ने काम किया है।

मार्च के पहले सप्ताह में विधानसभा प्रस्तुत हो सकता है मोहन सरकार का दूसरा बजट

भोपाल,(आरएनएस)। मोहन सरकार का दूसरा बजट मार्च के पहले सप्ताह में विधानसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है। बजट सत्र की तिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जापान दौरे से लौटने के बाद

निर्धाश्रत कर दी जाएगी। 24-25 फरवरी को भोपाल में गल`बल इन्वेस्टर्स समिट होने के कारण सत्र तीन मार्च सोमवार से प्रारंभ किया जा सकता है। एक अप्रैल से वित्तीय वर्ष 2025-26 प्रारंभ हो जाएगा। इसके पहले सरकार को विधानसभा से बजट पारित कराना होगा। विभागवार अनुदान की मांगों पर चर्चा कराकर विनियोग की मांगों पर चर्चा कराकर विनियोग विधेयक पारित कराने में लगभग 15 दिन लगेंगे। फिर राज्यपाल की अनुमति से राजपत्र में अधिसूचित करना होगा। मुख्यमंत्री कायालय के सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री के विदेश प्रवास से लौटते ही सत्र की तिथि निर्धारित की जाएगी। विधायकों को प्रश्न पत्र तथा अन्य प्रस्ताव देने के लिए 25 दिन का समय मिलेगा। सत्र में बजट के साथ ही नगरीय विकास एवं आवास सहित अन्य विभागों के संशोधन विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

भारत पर्व 2025 में मध्यप्रदेश की पाककला और संगीत कला की मनमोहक प्रस्तुति

भोपाल(आरएनएस)। दिल्ली स्थित लाल किले में आयोजित भारत पर्व 2025 में गुरूवार को मध्यप्रदेश की पाककला और संगीत कला की मनमोहक प्रस्तुति हुई। 'स्टूडियो किचन शोकेस' में प्रदेश के प्रसिद्ध पकवान गराडू चाट और खोपरा पेटिस का लाइव किचन प्रदर्शन और 'देखो अपना देश' सांस्कृतिक संध्या में जबलपुर के श्री जानकी बैंड की प्रस्तुति हुई। मध्यप्रदेश टूरिज्म के एग्जीक्यूटिव शेफ निशिकांत ने होटल प्रबंधन, खानपान एवं पोषाहार संस्थान, पूसा के तत्वाधान में आयोजित 'स्टूडियो किचन शोकेस' में गराडू चाट और खोपरा पेटिस का सजीव प्रदर्शन किया।

एसी कोच में सफर कर रहे परिवार का 1 लाख का माल चोरी

भोपाल(ए)। एसी कोच में सफर कर रहे परिवार को निशाना बनाते हुए अज्ञात बदमाश ने उनका करीब एक लाख कीमत का माल चोरी कर लिया। घटना की शिकायत पीड़ित परिवार ने इटारसी जीआरपी से की थी। भोपाल जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया की वह अपने परिवार के साथ जयपुर से हैदराबाद के बीच चलने वाली सुपर फास्ट ट्रेन 12976 के एसी कोच बी-5 में सफर कर रहा था। यात्रा के दौरान रात के समय परिवार वाले सो गये थे। उनकी पत्नि अपना पर्स सिरहाने रखकर सो रही थी। रात के समय ही कोच में घुसे अज्ञात बदमाश ने पर्स पर हाथ साफ कर दिया। भोपाल रेलवे स्टेशन पर जब उनकी नींद खुली तब चैक करने पर सिरहाने रखा पर्स गायब मिला। चोरी गये पर्स में सोने की तीन अंगूठी, चॉदी की पायल, हजारो की नकदी सहित जरुरी दस्तावेज रखे हुए थे। पुलिस ने इस मामले में सादा चोरी का मामला दर्ज किया है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट जीआरपी इटारसी से की थी। वहॉ जीरो पर कायमी कर केस डायरी भोपाल जीआपी को भेजी गई, केस डायरी आने पर भोपाल जीआरपी ने असल कायमी कर जॉच शुरु कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कोबे में सिसमैक्स कॉर्पोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का अवलोकन किया।

मंत्री स्तर के नेताओं की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई : मुकेश नायक

भोपाल(आरएनएस)। कांग्रेस ने सौरभ शर्मा के मामले को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए मामले में मंत्री स्तर के नेताओं की गिरफ्तारी की मांग की है। पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा किसके संरक्षण में रहा इसकी जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन सहित देश भर के अन्य नेताओं, मुख्यमंत्री स्तर के नेताओं की गिरफ्तारी पहले होती है। लेकिन मप्र में सौरभ शर्मा के मामले में मंत्री स्तर के नेताओं की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? इससे यह बात सामने आ रही है कि देश में पक्षपात, अन्याय, भ्रष्टाचार ओर देश को लूटने वालों का नापाक संबंध चल रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ शर्मा को रिमांड पर लिया, ईडी की जांच अलग से चल रही है। सरकारी गवाह बनाने की तैयारी हो चुकी है। इससे यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि मामले को रफा-दफा करने की कोशिश हो रही है। नायक ने कहा कि पुलिस को पहले परिवहन मंत्री रहे भूपेंद्र सिंह, गोविंद सिंह राजपूत ओर इस अवधि के दौरान पदस्थ रहे सभी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर्स को पुलिस को गिरफ्तार करना चाहिए। यह गिरफ्तारी सौरभ शर्मा की हिरासत की अवधि के दौरान ही होनी चाहिए, क्योंकि यदि ये बाहर रहे तो जांच प्रभावित होगी। नायक ने कहा कि परिवहन मंत्री रहे गोविंद सिंह राजपूत और भूपेंद्र सिंह को तत्काल एवं इव अवधि में रहे परिवहन आयुक्तों को पुलिस गिरफ्तार करे। पहले ही इनका झूठ पकड़ा गया। यदि वे बाहर रहे तो जांच प्रभावित होगी। नायक ने कहा कि मानसिंह पटेल के मामले में भी मंत्री गोविन्द सिंह का नाम आ रहा है। उन्होंने इन सभी मामलों की जांच निष्पक्ष कराने की मांग की है।

रेल कर्मचारियों ने मौन रखकर अमर शहीदों को किया याद

भोपाल (निप्र)। शहीद दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को भोपाल रेल मंडल में मंडल कार्यालय, स्टेशनों, डिपो कार्यालयों आदि स्थानों पर रेल कर्मियों नें अपने-अपने कार्य स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों के सम्मान में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी। इस दिन उन सभी शहीदों को याद किया गया जिन्होंने देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने मौन रखकर अमर शहीदों के बलिदान को याद किया।

ओबीसी आरक्षण पर हाईकोर्ट के फ़ैसले के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का बयान

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य शासन द्वारा प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के फैसले का विरोध किया गया था। यह कांग्रेस पार्टी की नीतियों की जीत है। मार्च 2019 में मैंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में मध्य प्रदेश के ओबीसी समुदाय को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया था। हाई कोर्ट के फैसले ने मेरी तत्कालीन सरकार के निर्णय को एक बार फिर सही साबित किया है। अब मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल सभी स्तर पर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए।

एक फरवरी से मध्य प्रदेश के कई शहरों में बारिश के आसार

भोपाल,(आरएनएस)। प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं का रुख बदलकर पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी होने लगा है। इसके चलते दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, एक फरवरी से प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल सकता है। अधिकतर जिलों में बादल छाएंगे एवं ग्वालियर, चंबल, इंदौर, उज्जैन संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

सौरभ से मिलने लोकायुक्त कार्यालय पहुंची मां, कहा-चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा

भोपाल(आरएनएस)। गोल्ड-कैश कांड में गिरफ्तार सौरभ शर्मा, उसके सहयेागी चेतन सिंह को कोहफिज़ा थाने के हवालात में रखा गया है। गत दिवस सुबह अचानक सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा उससे मिलने लोकायुक्त कार्यालय पहुंच गई। उन्होंने बेटे से मिलने की जिद की। वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बाद उन्हें सौरभ शर्मा से मिलवाया गया। बताया जाता है कि वह बैटे को बार-बार दिलासा देती रहीं कि चिंता मत कर, सब ठीक हो जाएगा। सौरभ शर्मा ने बिना किसी का नाम लिए धीरे से उनसे पूछा कि उनेस बात हुई, क्या कह रहे हैं। शरद की भी रिमांड : लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ शर्मा के एक अन्य साथी शरद जायसवाल को गत दिवस गिरफ्तार करने के बाद विशेष न्यायाधीश राम प्रसाद मिश्र की कोर्ट में पेश किया। वहां से उसे भी चार फरवरी तक रिमांड पर सौंप दिया गया है। सौरभ शर्मा भी चार फरवरी तक रिमांड पर ही है।

सार्वजनिक जगह पर शराब पीने पर निरंतर कार्रवाई जारी

भोपाल,(आरएनएस)। पुलिस की टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफकार्रवाई शुरु कर दी है। टीम ने पिछले दस दिनों में 36 लोगों पर आबकारी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए। अधिकारियों के निर्देशों के बाद पुलिस की टीमों ने शरबा दुकान के आसपास, आम रोड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफलगातार कार्रवाई करते हुए पिछले दस दिनों में अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई की।

नगर निगम की टीम ने 62 आवारा कुत्ते पकड़े

भोपाल, (आरएनएस)। नगर निगम द्वारा आवारा कुत्तों को पकडक़र उनकी नसबंदी एव एंटीरेबीज टीकाकरण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में डॉग स्क्वाड ने गत दिवस शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 62 आवारा कुत्तों को पकड़ कर नसबंदी केंद्रों में भेजा। अमले ने नसबंदी के बाद 57 कुत्तों को वापस उसी जगह छोड़ दिया जहां से उन्हें पकड़ा था। डॉग स्क्वाड ने श्यामला हिल्स, अरेरा कॉलोनी, गोड्क्षवदपुरा, अशोका गार्डन, चांदबढ़, एमपी नगर आदि क्षेत्रों में कार्रवाई की थी।

33 आवारा मवेशियों को कांजी हाउस भेजा गया

भोपाल,(आरएनएस)। नगर निगम द्वारा आवारा घूमने वाले मवेशियों को पकडक़र कांजी हाउस भेजने की कार्रवाई जारी है। निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा अमले ने गत दिवस शिकायत पर अमल करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 33 आवारा मवेशियों को पकडक़र कांजी हाउस में भेजा। अमले ने 22 पशुओं को गोशाला भेजा, जबकि एक पशु को आसरा भेजा। हांका पार्टी ने 12 पशुओं को हांकने की कार्रवाई भी की।

शिविर में 120 सफाई कर्मियों का हुआ चेकअप

भोपाल,(आरएनएस)। आदमपुर छावनी प्रोसेसिंग प्लांट सहित नगर निगम के सभी 15 गार्बेज ट्रांसफर स्टेशनों पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। गत दिवस दानापानी स्थित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर आयोजित शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि लहरी व अन्य चिकित्सकों एवं सहायक दल ने 120 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

अब बिजली बनाने में खपाई जाएगी पराली

भोपाल(आरएनएस)। किसानों द्वारा खेतीों में पराली (नरवाई या धान का ठंडल) जलाने से होने वाला वायु प्रदूषण देश के कई हिस्सों में बड़ी समस्या है। वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा था। अब मध्यप्रदेश इस दिशा में ठोस कदम उड़ाने जा रहा है। पराली का उपयेग बिजली बनाने में किया जाएगा। प्रदशे के ताप विद्युत गृहों में खपत होने वाले कोयल के सात प्रतिशत हिस्से के रूप में पराली का उपयोग किया जा सकेगा। इससे कोयला खरीदी में होने वाले खर्च से 1250 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की बचत राज्य सरकार को होगी। किसानों को भी पराली के बदले निर्धारित कीमत के मान से राशि भी मिलेगी। वहीं पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण से लोगों को मुक्ति मिलेगी।

अब देवेन्द्र सिंह तोमर के नाम से जानी जायेगी पाताली हनुमान-कांचमिल रोड

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर, महापौर डॉ. सिकरवार व नगर निगम सभापति श्री तोमर सहित अन्य अतिथियों की मौजूदगी में हुआ नामकरण

ग्वालियर (ए.)। शहर के हजीरा क्षेत्र में स्थित पाताली हनुमान से कांचमिल होते हुए चंदनपुरा तक का सड़क मार्ग अब देवेन्द्र सिंह तोमर मार्ग के नाम से जाना जायेगा। साथ ही इस सड़क का कायाकल्प योजना के तहत लगभग एक करोड़ 38 लाख रूपए की लागत से निर्माण व सौंदर्यीकरण भी होगा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, महापौर श्रीमती डॉ. शोभा सिकरवार, नगर निगम सभापति मनोज सिंह तोमर व नगर निगम परिषद में नेता प्रतिपक्ष हरिपाल सहित अन्य अतिथिगणों की मौजूदगी में गुरुवार को सड़क मार्ग के नामकरण और निर्माण कार्य के भूमिपूजन के लिये बिस्मिल भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके बाद अतिथियों ने पाताली हनुमान पर नामकरण व भूमिपूजन पट्टिका का अनावरण किया। नगर निगम परिषद द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव के आधार पर पाताली हनुमान से कांचमिल होते हुए चंदनपुरा तक का सड़क मार्ग का नामकरण

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के ज्येष्ठ भ्राता एवं नगर निगम परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्व. देवेन्द्र सिंह तोमर के नाम से किया गया है। नामकरण समारोह में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने मंचासीन अतिथियों का शॉल-श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। साथ ही नम आँखों से नगर निगम परिषद सहित सभी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं निवासियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने इस अवसर पर भावुक होकर कहा कि आप सबने हमारे परिवार पर जो उपकार किया है उसे हम ताजिंदगी नहीं भूलेंगे। हम सदैव आपकी सेवा के लिये तत्पर रहेंगे।

यहाँ बिस्मिल भवन परिसर में आयोजित हुए सड़क मार्ग के नामकरण व सड़क निर्माण के भूमिपूजन के लिये आयोजित हुए कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष केशव मांझी तथा पार्षद अनिल सांखला सहित नगर निगम के अन्य पार्षदगण एवं अशोक शर्मा सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सभी ग्वालियरवासी अपने शहर को स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लें, जिससे हमारा कोई भी परिजन और मित्र गंदगी की वजह से फैलने वाली बीमारियों से ग्रसित न हो। श्री तोमर ने आह्वान किया कि शहर को साफ-सुथरा रखने में न केवल स्वयं योगदान दें अपितु दूसरों को भी प्रेरित करें। अगर हम साझा प्रयास करेंगे तो निश्चित ही हमारा शहर स्वच्छता में अव्वल बनेगा।

जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति की बैठक संपन्न

दतिया (ए.)। आगामी 24-25 फरवरी को मध्य प्रदेश के इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट में दुनियाभर के उद्योगपति और निवेशक आएंगे। यह बात श्री माकिन ने प्रत्येक माह आयोजित होने वाली जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति की बैठक में जिले के समस्त उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आप सभी इस समिट में अपने नवाचारों से परिपूर्ण विचार प्रस्तुत करने अवश्य इस समिट में जाए और सहभागिता निभाएं। श्री माकिन ने बैठक में आए समस्त उद्योगपतियों से उनकी समस्याओं को जाना, उनके दिए गए सुझावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिले के उद्योगपतियों के हर तरह से हर संभव सुविधा प्रदान की जाएगी। जिससे नए उद्योगों को सफलतापूर्वक स्थापित किया जा सके एवं रोजगार का सृजन हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री उद्योग जगत के लिए नए-नए नवाचार, नीतियां ला रहे है। दतिया जिले में उद्योग स्थापित करने एवं निवेश के आकर्षित करने में रेल, हवाई अड्डे, राष्ट्री राजमार्ग जैसी कनेक्टीविटी उनके लिए सही सिद्व होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विकसित भारत, विकसित मध्य प्रदेश के लिए विजन 2047 तैयार किया जा रहा है।

30 जनवरी 2025 स्पर्श कुष्ठ जागरुकता अभियान

झाबुआ (ए.)। 30 जनवरी 2025 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय झाबुआ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.बघेल, सिविल सर्जन डॉ. एम.एल. मालवीय, जिला कुष्ठ अधिकारी झाबुआ डॉ.एन. के. पठान, समस्त चिकित्सा अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रपिता के चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा 09 लाख रुपये से अधिक की अवैध शराब जब्त की गई

झाबुआ (ए.)। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर मुकेश नेमा द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ श्रीमती बसंती भूरिया, के निर्देशन में 30 जनवरी 2025 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा आबकारी वृत्त झाबुआ ब के ग्राम टांडी तहसील रानापुर में मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचे रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी लेने पर माउन्ट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन कुल 304 पेटी (कुल- 3848 बल्क लीटर) विधिवत जब्त कर कब्जे आबकारी लेकर मौके पर से फरार आरोपी बिल्ला पिता पांगला वसुनिया के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी।

बिजली कंपनी ने 125 वाहन जब्त किए

इंदौर,(आरएनएस)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिए कई प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप आपूर्ति संबंधित शिकायतों में लगातार कमी आई है। 26 दिसम्बर 2024 को कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में लगभग 7000 शिकायतें मिली थीं, जबकि 27 जनवरी 2025 को यह संख्या घटकर केवल 2645 रह गई, जो कि 62 प्रतिशत की कमी है। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि आपूर्ति व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है और शिकायत निवारण प्रक्रिया को त्वरित रूप से लागू किया गया है। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं की संतुष्टित में भी बढ़ोतरी हुई है, जो अब 98 से 99 प्रतिशत तक है। कंपनी का ऊजर्स एप भी उपभोक्ताओं के लिए एक अहम उपकरण साबित हो रहा है, जिसमें हर महीने औसततन 450 से 460 उपभोक्ताओं को साहयता मिल रही है। यह एप स्मार्टफोन में डाउनलोड किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ता आसानी से अपनी बिजली सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

इंदरगंज एवं बारादरी के यातायात को बेहतर बनाने का कार्य किया जायेगा

ग्वालियर (ए.)। सड़क सुरक्षा समिति में मुरार बारादरी एवं इंदरगंज चौराहे के यातायात को व्यवस्थित करने के लिये लिए गए निर्णय के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने गुरुवार को इंदरगंज चौराहे का भ्रमण किया और स्थानीय व्यापारियों से चर्चा भी की। इस मौके पर स्थानीय व्यापारियों के साथ ही नगर निगम के अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विनोद सिंह, डीएसपी ट्रैफिक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने क्षेत्र का भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया तथा व्यापारियों से भी यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिये सहयोग करने की अपेक्षा

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने इंदरगंज चौराहे का किया निरीक्षण

की। उन्होंने दाल बाजार का भ्रमण करते हुए स्थानीय व्यापारियों की दोपहिया एवं चार पहिया वाहन अन्यत्र पार्किंग करने की बात कही। कलेक्टर ने सभी व्यापारियों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकान के बाहर सामग्री न रखें। इससे यातायात प्रभावित होता है। समझाइश के बाद भी जो दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर सामान रखेंगे उनके विरूद्ध कार्रवाई भी प्रशासन द्वारा की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने दाल बाजार व्यापारी एसोसिएशन से कहा है कि वे यातायात सुधार के लिये अपने स्तर से व्यापारियों की बैठक करें और जो आवश्यक सुझाव हैं उसको लेकर 3 फरवरी को जिला प्रशासन के साथ आयोजित होने वाली बैठक में रखें। निरीक्षण के दौरान व्यापारियों द्वारा बताया गया कि पूर्व जिला न्यायालय परिसर में भी पार्किंग के लिये रिक्त स्थान हैं, इसके लिये जिला न्यायालय से संपर्क कर पार्किंग की अनुमति ली जाए ताकि वहाँ पर वाहन पार्किंग हो सकें। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान व्यापारियों से एवं नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने कंडम वाहन सड़क पर पार्क न करें।

विविध-समाचार

प्रयागराज कुंभ मेले में ग्राम सुनवाहा की महिला श्रद्धालु की दुःख मृत्यु

छतरपुर(आरएनएस)। प्रयागराज कुंभ मेले में मंगलवार की रात्रि भगदड़ होने से छतरपुर जिले के बक्सवाहा के ग्राम सुनवाहा की निवासी 48 वर्षीय महिला श्रद्धालु श्रीमती हुकमबाई लोधी की दुःख मृत्यु हो गई है। जिसका शव एंबुलेंस के माध्यम से यूपी शासन प्रशासन द्वारा भेजा जा रहा है।कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल ने महिला की दुःखद मृत्यु होने पर संवेदनाएं व्यक्त की है। साथ ही कलेक्टर के निर्देश पर महिला के परिजन को 5 हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता राशि एवं बीपीएल कार्डधारी होने पर 20 हजार रुपए की राष्ट्रीय परिवार सहायता नियमानुसार स्वीकृत की गई है।

फिर कूनो के जंगल में आजाद घूमेगी आशा चीता, शावक भी हो सकते हैं साथ

श्योपुर (आरएनएस)। नर चीता अग्नि ओर वायु के बाद अब कूनो नेशनल पार्क के बाड़ों में बंद एक नर और एक मादा चीता को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा। मादा चीता आशा को छोड़े जाने की तैयारी है, क्योंकि आशा पहले भी जंगल में कुछ माह तक रह चुकी है। हालांकि नर चीता कोन सा छोड़ा जाएगा यह स्पष्ट नहीं है। आशा चीता के तीन शावक भी एक सला`स अधिक आयु के हो चुके हैं, ऐसे में चीता स्टियरिंग कमेटी से चचा कर शावकों को भी जंगल में छोड़ा जा सकता है। ताकि आशा शावकों को जंगल में शिकार के गुर सिखा सकें। कूनो प्रबंधन का कहना है कि चीतों की एक प्रक्रिया के तहत जंगल में छोड़ा जाना तय है, अब मौसम कभी अनुकूल होता जा रहा है ऐसे में जल्द ही ओर चीते छोड़े जाएंगे।

रतलाम की सड़कों पर कार से स्टंट करते इंदौर के युवाओं का वीडियो

रतलाम (आरएनएस)। रतलाम की सड़कों पर कार से स्टंट करते इंदौर के युवाओं का वीडियो सामने आया है। वे कार की विंडो और छत पर बैठकर बेखौफस्टंट करते नजर आए। गाड़ियों पर शादी के स्टिकर भी लगे थे। युवाओं ने बीच सड़क पर कारें खड़ी कर दी। इससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। इधर, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस एक्शन में आई। गाड़ियों का तलाशते हुए पुलिस शादी समारोह स्थल पर पहुंची। यहां पुलिस ने सभी गाड़ियां जब्त कर ली। हुड़दंग कर रहे युवक वाहनों में विंडो की सीट पर बैठे हुए थे। स्टंटबाजी का ये वीडियो मंगलवार शाम 6.30 बजे का है। ये युवक आबकारी कंपाउंड में किसी शादी में बाराती बनकर आए थे। सभी गाड़ियां इंदौर पासिंग की है। शहीद चौक से लेकर आबकारी कंपाउंड व हाट रोड पर यह युवा खुले आम स्टंट करते नजर आए। राह चलते किसी ने ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

व्यापार समाचार

कुंभ यूपी की अर्थव्यवस्था को बूस्टर, 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान

होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों को लाभ

प्रयागराज (ए)। प्रयागराज में संगम के तट पर 45 दिवसीय महाकुंभ मेला, जिसे पहले पूर्ण कुंभ के नाम से जाना जाता था, 13 जनवरी से शुरु होकर 45 दिनों तक चलेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जनवरी से 26 फरवरी के बीच 40 करोड़ आगंतुकों के आने का अनुमान लगाया है। अनुमान है कि महाकुंभ 2025 से योगी सरकार को 25,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है, इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक लाभ हो सकता है। इस आयोजन से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, होटल व्यवसायियों, होमस्टे मालिकों, रेस्तरां संचालकों और खाद्य विक्रेताओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, इसमें डाबर, मदर डेयरी और आईटीसी जैसे प्रमुख ब्रांडों द्वारा 3,000 करोड़ खर्च करने का अनुमान है। आधिकारिक अनुमान है कि 2019 के कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया था, जबकि 2013 के पूर्ण कुंभ में, इस तब इलाहाबाद के नाम से जाना जाता था, 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। 2016 के उज्जैन कुंभ (सिंहस्थ) में 7.5 करोड़ श्रद्धालु आए थे।उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने महाकुंभ के लिए बुनियादी ढांचे से लेकर स्वच्छता तक 549 परियोजनाओं की शुरुआत की है, इसकी लागत 6,900 करोड़ है। 2019 में, 3,700 करोड़ की लागत से 700 परियोजनाएँ शुरू की थीं। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की है कि महाकुंभ मेला बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो जाए।

प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के दिग्गज, कारोबार की छवि और प्रतिष्ठा सुधारने पर करेंगे काम

नई दिल्ली (ए.)। प्रत्यक्ष बिक्री दद्योग के दिग्गज इस कारोबार की छवि और साख सुधारने समेत इसके समक्ष आने वाली अन्य महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान खोजने को लेकर पर एकजुट होकर काम करेंगे।

देश में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की अग्रणी संस्था इंडियन डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की सदस्य कम्पनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) परिषद की यहां आहूत एक बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मौजूद ओरिफ्लेम, मोदीकेयर, हर्बालाइफ, एमवे, यूनिसिटी, फोरलाइफ, पीएम इंटरनेशनल, एटॉमी, मॉडेर और यूसाना जैसी प्रमुख कम्पनियों के सीईओ ने सर्वसम्मति से उद्योग की प्रतिष्ठा सुधारने, नैतिक आचरण और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के साथ इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर सामूहिक रूप से काम करने का संकल्प लिया।आईडीएसए की आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार उद्योग के प्रतिनिधियों ने पोंजी और पिरामिड योजनाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की छवि धूमिल करने और लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उनकी गाढ़ी कमाई लूट कर रफूचक्कर होने वाली संदिग्ध कम्पिनयों के कारण होने वाले प्रतिकूल प्रभावों से निपटने पर तत्काल आवश्यकता जताई गई। बैठक में सभी एकमत थे कि इस तरह की गतिविधियां न केवल उपभोक्ताओं के हितों को नुकसान पहुंचाती हैं बल्कि उनका विश्वास भी कम करती हैं तथा इसके अलावा वैध एवं कारोबारी परिदर्शिता भी प्रभावित होती है। दिग्गजो ने ऐसी चुनौतियों से निपटने, उपभोक्ता हितों का संरक्षण, प्रत्सक्ष बिक्री के लिए विश्वसनीय माहौल बनाने तथा पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए भी काम करने पर प्रतिबद्धता जाहिर की।

सीईओ परिषद ने जन जागरण और सरकार के सहयोग से प्रत्यक्ष बिक्री क्षेत्र की ब्रांड छवि मजबूत करने हेतु प्रभावी रणनीति बनाने, सुदृढ़ एआई और डिजिटल दिशानिर्देश विकसित करने, उद्योग के विकास में प्रौद्योगिकीय समावेश और प्रत्यक्ष विक्रेताओं की आजीविका संरक्षण हेतु नीति सृजन पर काम करने का भी निर्णय लिया गया। छवि सुधार को लेकर बैठक में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग को संदिग्ध कम्पनियों से दूर रखने हेतु ठोस उपाय करने तथा जनता को वैध प्रत्यक्ष बिक्री प्रथाओं और उद्योग की विशिष्टता के बारे में जागरूक करने को लेकर अभियान चलाने पर सहमति बनी।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया आठे पैसे की गिरावट के साथ ही 86.63 पर बंद हुआ। आज सुबह फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को स्थिर रखने के बाद शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे गिरकर 86.59 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की लगातार निकासी और अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के कारण रुपये पर दबाव जारी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर खुला और फिर कमजोर रुख के साथ 86.59 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 86.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ 107.84 पर था।

मारुति सुजुकी की बिक्री तीसरी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़ी, मुनाफा 3,500 करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की बड़ी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी ने बुधवार को वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे पेश किए। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,206.8 करोड़ रुपये था। अधिक बिक्री के कारण कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत बढ़कर 38,764.3 करोड़ रुपये हो गई है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 33,512.8 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही में कंपनी का खर्च सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 35,163 करोड़ रुपये हो गया है।स्टैंडअलोन आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 3,130 करोड़ रुपये से 13 प्रतिशत बढ़कर 3,525 करोड़ रुपये हो गया।वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एबिटा सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत बढ़कर 4,470.3 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,907.9 करोड़ रुपये था। कंपनी का एबिटा मार्जिन 11.6 प्रतिशत पर करीब सपाट रहा है।कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसने 36,802 करोड़ रुपये की अब तक की सर्वाधिक शुद्ध बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 31,860 करोड़ रुपये से अधिक है।मारुति सुजुकी ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 5,66,213 वाहन बेचे, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 5,01,207 वाहन बेचे थे।मारुति सुजुकी ने तीसरी तिमाही में घरेलू बाजार में 4,66,993 वाहन बेचे, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 4,29,422 वाहन बेचे थे। इस दौरान कंपनी ने 99,220 वाहनों का निर्यात भी किया, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक निर्यात है। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 71,785 वाहनों का निर्यात किया था।

कैबिनेट ने बजट से पहले लिए अहम फैसले; इथेनॉल की कीमत बढ़ाई, नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को भी मंजूरी दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। बजट से पहले केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को कई बड़े फैसले लिए हैं। सरकार ने गन्ने से बनने वाले इथेनॉल की कीमत को बढ़ाने और नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री ने अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार ने इथेनॉल की कीमत 3 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है। अब सरकारी कंपनियां 57.97 रुपये प्रति लीटर की दर पर इथेनॉल खरीदेंगी। फिलहाल ये दर 56.58 रुपये प्रति लीटर है।

सरकार की ओर से इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम के तहत इथेनॉल सप्लाई ईयर (ईएसवाई) 2024-25 को 1 नवंबर,2024 से बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2025 कर दिया गया है।ईबीपी प्रोग्राम के तहत सरकार ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने की छूट दी है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य देश में वैकल्पिक एवं पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही देश के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना और कच्चे

तेल के आयात को कम करना है। पिछले दस वर्षों के दौरान (31 दिसंबर, 2024 तक), सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप लगभग 1,13,007 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 193 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है।

इसके अलावा कैबिनेट ने 16,300 करोड़ रुपये के परिव्यय नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दे दी है। इसमें सरकारी कंपनियों द्वारा 18,000 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने की उम्मीद है।वैष्णव ने बताया कि मिशन का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है।कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन में वैल्यू चैन के सभी चरण शामिल होंगे, जिसमें मिनरल की खोज, खनन, लाभकारीकरण, प्रसंस्करण और अंतिम उत्पादों से पुनर्प्राप्ति शामिल है।यह मिशन देश के भीतर और इसके ऑफशोर क्षेत्रों में जरूरी मिनरल की खोज को तेज करेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिज खनन परियोजनाओं के लिए एक फास्ट-ट्रैक विनियामक अनुमोदन प्रक्रिया बनाना है। इसके अतिरिक्त, मिशन जरूरी मिनरल खोज के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करेगा और ओवरबर्डन और टेलिंग से इन मिनरल की रिकवरी को बढ़ावा देगा।

अदाणी पावर का मुनाफा तीसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत बढ़ा, आय में 11 प्रतिशत का इजाफा

अहमदाबाद (आरएनएस)। अदाणी पावर ने बुधवार को वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा अक्टूबर-दिसंबर अवधि में सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 2,738 करोड़ रुपये था।अदाणी पावर ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 6,185 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 5,009 करोड़ रुपये था।कंपनी की आय सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये थी।

कैबिनेट ने बजट से पहले लिए अहम फैसले; इथेनॉल की कीमत बढ़ाई, नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को भी मंजूरी दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। बजट से पहले केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को कई बड़े फैसले लिए हैं। सरकार ने गन्ने से बनने वाले इथेनॉल की कीमत को बढ़ाने और नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री ने अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार ने इथेनॉल की कीमत 3 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया है। अब सरकारी कंपनियां 57.97 रुपये प्रति लीटर की दर पर इथेनॉल खरीदेंगी। फिलहाल ये दर 56.58 रुपये प्रति लीटर है।

सरकार की ओर से इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम के तहत इथेनॉल सप्लाई ईयर (ईएसवाई) 2024-25 को 1 नवंबर,2024 से बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2025 कर दिया गया है।ईबीपी प्रोग्राम के तहत सरकार ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने की छूट दी है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य देश में वैकल्पिक एवं पर्यावरण अनुकूल ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देना है। साथ ही देश के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना और कच्चे तेल के आयात को कम करना है। पिछले दस वर्षों के दौरान (31 दिसंबर, 2024 तक), सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के परिणामस्वरूप लगभग 1,13,007 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 193 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल का प्रतिस्थापन हुआ है।

इसके अलावा कैबिनेट ने 16,300 करोड़ रुपये के परिव्यय नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन को मंजूरी दे दी है। इसमें सरकारी कंपनियों द्वारा 18,000 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने की उम्मीद है। वैष्णव ने बताया कि मिशन का उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

डनबर्ग रिसर्च भंग

अमेरिकी निवेश व अनुसंधान कंपनी हिडनबर्ग रिसर्च ने अचानक अपना कारोबार समेटने का ऐलान कर दिया। कंपनी के संस्थापक नेट एंडरसन ने अपने परिचितों, परिवार व मित्रों का हवाला देते हुए वेबसाइट पर पर्सनल नोट में लिखा- मैंने हिंडनबर्ग रिसर्च को भंग करने का फैसला किया है।नेट ने कहा यह अचानक लिया गया फैसला नहीं है। काफी सोच-समझकर लिया गया फैसला है। 2017 में हिंडनबर्ग रिसर्च का गठन करने वाले एंडरसन ने इसे अपने जीवन का एक अध्याय बताते हुए, जीवन का मुख्य केंद्र नहीं है कहा। अमेरिकी अकाउंटेंट हैरी माकरेपोलस को अपना रोल मॉडल मानने वाले एंडरसन ने ऐसे वक्त यह घोषणा की है, जब अमेरिका के नये राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेने वाले हैं।

आलोचकों के अनुसार जॉर्ज सोरेस के साथ हिंडनबर्ग के कथित संबंधों व ट्रंप प्रशासन के दबाव का अंदेशा व्यक्त किया है। इस शॉर्ट सेलिंग कंपनी को 2024 में भारतीय बाजार नियामक संस्था सेबी द्वारा कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। क्योंकि कंपनी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच पर वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप मढे थे। उससे पहले हिंडनबर्ग ने देश के प्रमुख औद्योगिक समूह अडाणी पर गंभीर आरोपों द्वारा भारत में सुर्खियां बटोरी थीं।

समूह के मालिक गौतम अडानी पर अपनी ही कंपनियों के शेयरों में हेराफेरी कर सौ अरब डॉलर कमाने का आरोप था। रिपोर्ट सार्वजनिक होते ही अडानी ग्रुप को डेढ़ सौ अरब डॉलर का नुकसान होते ही वह विश्व के बीस अतिसमृद्धों की सूची से बाहर हो गए। हिंडनबर्ग की रिपोटरे का हवाला देकर विपक्ष ने एकजुट होकर मोदी सरकार पर हमला बोल दिया था।हिंडनबर्ग ने अमेरिका के अलावा विदेशों की विभिन्न कंपनियों में गैर-कानूनी लेन-देन व वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया, जिससे उनके शेयर्स बुरी तरह ध्वस्त होने से उन्हें जबरदस्त नुकसान झेलना पड़ा। अरबपतियों व कुलीन वर्ग के साम्राज्य को हिलाने की जरूरत पर जोर देने वाली कंपनी के इस फैसले से खुश होने वाले भले ही चुनिंदा हैं मगर हतप्रभ रहने वाले लाखों हैं। असल में यह फैसला उसे क्यों लेना पड़ा, जब तक यह स्पष्ट नहीं हो जाता, हर कोई अपने-अपने कयास लगाता रहेगा। दुनिया भर को अपने निशाने पर रखने वाले एंडरसन ने अभी अपनी भविष्य की योजनाओं के भी स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं। हो न हो, वह बड़ी तैयारी से कुछ अनोखा ही कर दिखाएंगे।

मंदी के चपेट में आने वाली है भारतीय अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

बजट सप्ताह के पहले दिन यानी 27 जनवरी को शेयर बाजार में निवेशकों को 9.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। विगत कुछ दिनों से निवेशकों को शेयर बाजार में लगातार नुकसान हो रहा है। हालांकि, इसका कारण देश में मंदी की आहट कतई नहीं है। इसका मुख्य कारण अमेरिका के सेंट्रल बैंक द्वारा भारत में बजट पेश करने से पहले नीतिगत निर्णय की घोषणा करने की संभावना, चीन के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप डीपसीक मॉडल की लोकप्रियता में वृद्धि, भारतीय कंपनियों के दिसम्बर तिमाही के नतीजे का अपेक्षित नहीं रहना आदि हैं।

दरअसल, भू-राजनैतिक संकट, लाल सागर में हूती विद्रोहियों की उपस्थिति आदि के कारण भारत के आयात-निर्यात तथा आपूर्ति श्रृंखला पर नकारत्मक प्रभाव पड़ रहा है और आर्थिक गतिविधियों में कमी आने के कारण कंपनियों का तिमाही मुनाफा कम हो रहा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 7 जनवरी 2025 को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पहला अग्रिम अनुमान जारी किया और इस अवधि में रियल जीडीपी वृद्धि दर के 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त के दौरान 8.2 प्रतिशत रही थी। वहीं, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रियल जीडीपी के 6.6 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ने का अनुमान जताया है। एनएसओके अनुसार नॉमिनल जीडीपी वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 9.7 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है, लेकिन भारत में जीडीपी गणना एवं लेखा-जोखा रियल जीडीपी के संदर्भ में की जाती है। भारत की अर्थव्यवस्था मूल रूप से खपत आधारित है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में खपत में उल्लेखनीय कमी आई है। मुद्रास्फीति के कारण उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता कम हुई है। किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीदारी क्षमता कम हो जाती है और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग घट जाती है। फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है आदि। रेपो दर फरवरी 2023 से 6.5 प्रतिशत के स्तर पर बरकरार है, जिसके कारण उधारी दर भी उच्च स्तर पर बनी हुई है।

15 नवम्बर 2024 तक ऋण उठाव घटकर 11.1 प्रतिशत रह गया, जो विगत वर्ष आलोच्य अवधि में 20.6 प्रतिशत रहा था। इस अवधि में जमा वृद्धि दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है और इसकी औसत वृद्धि दर मार्च से महज 6.7 प्रतिशत है। बैंक जमा में आई कमी की प्रतिपूर्ति के लिए बैंक सरकारी बॉन्डस को परिपक्वता तिथि से पहले भुना रहे हैं। फिलवक्त, मुद्रास्फीति के कारण जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति के भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के आसार हैं, लेकिन इसके कई दुष्परिणामों को दृष्टिगत करके मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) और केंद्रीय बैंक, रेपो दर में कटौती करने से गुरेज कर रही है।अगर हम वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर से भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना करें तो हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर से बहुत ऊपर है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार 2024 में वैंक जीडीपी वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही और 2025 में 3.3 प्रतिशत रह सकती है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक वैंक अर्थव्यवस्था 2024 में 3.1 प्रतिशत और 2025 में 3.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका से भी भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है और आगामी वर्षों में भी इसके मजबूत बने रहने के आसार हैं। वित्त वर्ष 2024 के दौरान अमेरिका में विकास दर के 2.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025 में 2.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर के 6.7 प्रतिशत रहने और दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत रहने के बाद कुछ अर्थशास्त्री और कुछ देसी एवं वैंक एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदी के गिरफ्त में आने की बात कर रहे हैं, लेकिन मंदी की परिभाषा के अनुसार जब किसी देश की वृद्धि दर सुस्त पड़ने लगती है, बेरोजगारी दर में इजाफा होता है और महंगाई दर ऊंची बनी रहती है तो वह देश मंदी की गिरफ्त में आ जाता है। यह भी माना जाता है कि किसी देश की जीडीपी में अगर दो तिमाहियों में लगातार गिरावट दर्ज की जाती है तो भी वह देश मंदी की चपेट में आ जाता है।

इस परिप्रेक्ष्य में मंदी के लक्षण भारतीय अर्थव्यवस्था में दृष्टिगोचर हो रहे हैं या नहीं इस बात की गहन पड़ताल करने की जरूरत है। जल्दबाजी में यह कहना कि भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी की गिरफ्त में आने वाली है, गलत होगा। कोरोना महामारी के दौरान अप्रैल 2020 में बेरोजगारी दर 23.50 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई थी और सबसे कम सितम्बर 2022 में 6.40 प्रतिशत के स्तर पर रही थी। अभी मुद्रास्फीति की वजह से न कोई कंपनी बंद हुई है और न ही कामगारों की छंटनी की गई है। बेशक, चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर के घटकर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है, लेकिन विगत 2 तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट दर्ज नहीं हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह 6.7 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत रही है, लेकिन वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही थी।

अभी आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती आने का एक बड़ा कारण मुद्रास्फीति है और शेयर बाजार में निवेशकों के पैसे डूबने के दूसरे कारण हैं। रेपो दर में एक लंबे समय से कटौती नहीं की गई है, लेकिन रिजर्व बैंक के गवर्नर में बदलाव आने के बाद आगामी मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में कटौती करने के आसार है। तदुपरांत, उधारी के उठाव और आर्थिक गतिविधियों दोनों में तेजी आएगी। इससे इतर, अभी भी भारत की जीडीपी वृद्धि दर विश्व के प्रमुख देशों और औसत वैंक विकास दर से ज्यादा है। अस्तु, यह कहना तार्किक नहीं होगा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मंदी के चपेट में आने वाली है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दुनिया के हर गम से क्यों दूर है संगम ?

- राकेश अचल

देश में 144 साल बाद प्रयागराज में हो रहे महाकुम्भ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में मारे गए लोगों का संगम को कोई गम नहीं है। संगम से इधर लाशें उठीं और उधर नंग -धडंग साधू,सन्यासी और शंकराचार्य पवित्र शाही स्नान और अमृत स्नान के लिए संगम में कूद पड़े ,किसी के चेहरे पर कोई शोक नहीं ,कोई करुणा नहीं,कोई वेदना नही। सब स्नान के बाद सुखानुभूति करते नजर आ रहे थे। न सरकार विचलित दिखाई दी और न आम जनता। जैसे संगम में कुछ हुआ ही नहीं। जितना बेमिसाल ये महाकुम्भ है उतनी ही बेमिसाल है हमारी हृदयहीनता।

महाकुम्भ में सरकार कहती है कि कुल 30 लोग मारे गए,लेकिन लोगों को इस आंकड़े पर यकीन नहीं है । सरकार इन मौतों के लिए खुद को जिम्मेदार मानती नहीं है ,उसने जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा कर दी है। मरने वालों के परिजनों को 25 -25 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी कर दी है ,इसलिए कहीं कोई खरखसा नहीं। न मीडिया को ये हादसा कोई हादसा लगा और न धर्म के ठेकदारों को। न कोई निलंबित हुआ और न किसी को हटाया गया। यहां जो भी मौजूद है किसी ने इस हादसे के बाद घर वापसी नहीं की ,खासतौर पार संतों,महंतों और शंकराचार्यों ने । वे तो पूरे कुम्भ में नहा-धोकर ,अमृतपान कर ही अपने डेरों में लौटेंगे । जिन्हें मरना था वे मर गए उनके लिए क्या रोना-धोना ?

कुम्भ में कोई पहली बार तो भगदड़ हुई नहीं है ,पहली बार तो लोग मरे नहीं हैं । पहले भी भगदड़ हई । पहले भी लोग मरे और कोई दस-बीस नहीं 800 लोग तक मरे। तब भी न तत्कालीन मुख्यमंत्री सम्पूर्णान्द ने इस्तीफा दिया ,न वीर भद्र प्रताप सिंह ने और तो और न अखिलेश यादव ने। फिर कोई मौजूदा मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ से इस्तीफे की मांग किस मुंह से कर सकता है ? करना भी नहीं चाहिए ? क्योंकि योगी जी ने थोड़े ही किसी से कहा था कि भगदड़ करो और कुचल मरो ! लोग अपनी मौत मरे हैं। पुण्यभूमि में मरे हैं। उन्हें तो कृतज्ञ होना चाहिए योगी जी का कि उन्होंने लोगों को कुम्भ में मरने का अवसर दिया । मरने वालों को सीधे मोक्ष मिलेगा। इसी मोक्ष के लिए तो नंग -धडंग नागाओं से लेकर सती -सावित्री ममता कुलकर्णी तक जप-तप और कल्पपवास कर रहे हैं।

एक बात अच्छी है कि हम लोग इतने धर्मभीरु हैं कि मरने वालों केलिए टसुए नहीं बहाते । हम मृतकों के परिजनों के लये टसुए बहाने वाले परिजनों को रूमाल खरीदने के लिए 25 -25 लाख रूपये की सहायता दे देते हैं। ये हमारी सरकार की दरियादिली नहीं तो और क्या है? उत्तरप्रदेश की उत्तरदायी सरकार ने मृतकों के शव उनके गृह गांव तक भेजने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था कर सचमुच उपकार किया है ,अन्यथा मृतकों के परिजन क्या करते ? उन्हें अपने परिजनों के शव गंगा के हवाले ही करना पड़ते। मरने वाले श्रृद्धालुओं के प्रति ये सद्भाव प्रणम्य है। उत्तर प्रदेश के ही मुलायम सिंह यादव जब केंद्र में रक्षामंत्री थे तब उन्होंने भी सीमा पर शहीद होने वाले जवानों को ससम्मान घर तक भेजने की व्यवस्था की थी। इस महा कुम्भ में मुलायम सिंह की प्रतिमा भी विराजमान है।महाकुम्भ में हुई भगदड़ से उत्तरप्रदेश सरकार को कोई सबक नहीं लेना है ,ये हादसे तो आगे भी होंगे। हादसे होते ही होने के लिए हैं। हादसे न हों तो फिर इस तरह के आयोजनों का अर्थ ही क्या है। हमारे यहां भगदड़ में लोग मरते हैं। मक्का -मदीना में प्यास से भी मरते हैं। जिन्हें जैसे मरना है ,वो पहले से निर्धारित होता है। इसमें हम -आप या सरकार क्या कर सकती है।? बेहतर हो कि अब जहाँ भी कुम्भ हों वहां की सरकारें अभी से एक सुरक्षित और पुख्ता योजना पर काम शुरू कर दें ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो। हादसे रोकने के लिए हमारे पास तमाम तकनीकें भी हैं ,लेकिन ये तब नाकाम हो जातीं हैं जब सरकारें ही धार्मिक उन्माद पैदा करतीं हैं।

आयोजकों को इस तरह के आयोजनों को मेगा इवेंट के रूप में प्रचारित करने से भी बचना चाहिए। बचना चाहिए वीआईपी संस्कृति से। नहीं तो उन्हें ऊपर वाला भी नहीं रोक सकता। हादसों के बाद न्यायिक जांचों की घोषणाओं से जिम्मेदार लोग नहीं मिलने वाले। जब तक जाँच रिपोर्ट आएगी तब तक लोग इस हादसे को भूल चुके होनेग ,हादसों मो भुलाने में चार घंटे भी तो नहीं लगते बचेंगे तो आगे भी हादसे होंगे।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आपको निजात मिलेगी और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज आपको शुभ सूचना मिलने वाला है । जिससे उत्साह और ऊर्जा महसूस होगी ।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारू रूप से बनते जाएंगे। सिर्फ सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने कार्यों के प्रति व्यस्त रहें। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा कर लेंगे। वर्तमान परिवेश में आपने जो नई नीतियां बनाई है, इस वजह से आपकी काफी समस्याएं हल होंगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है आज आप कुछ समय प्रकृति के बीच बिताएंगे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आपको किसी कार्य को लेकर की गई मेहनत का अनुकूल परिणाम मिलने वाला है। घर में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकता है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करेंगे जिससे अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्ने मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा ।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। पुरानी परेशानियों से राहत मिल सकती है। दोबारा आत्मविश्वास और ऊर्जा से अपने काम में लग जाएंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे । प्रयास करने पर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक जिम्मेदारियां और काम का बोझ रहेगा। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। माता जी आपसे कुछ फरमाईस कर सकती है... जिसको पूरा करने पर वह खुश होंगी।

कन्या राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रोपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस सम्बंधित कुछ योजनाये बनेगी। अगर किसी प्रकार की कानूनी समस्या चल रही है तो आज उसका समाधान मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति अथवा राजनीतिज्ञ के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा।

तुला राशि:आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। आज आपका व्यापारिक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करेगा। अगर सरकारी अथवा कोर्ट के संबंधी मामला अटका हुआ है तो आज उसमें सफलता मिलने की उचित संभावना है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। विद्यार्थियों को अपनी सोच में और अधिक सकारात्मकता लाने की जरूरत है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज का दिन पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि लेकर आएगा। आज किसी प्रकार की समस्या आपकी सूझबूझ से हल हो जाएगी । आपकी कार्यकुशलता तथा योग्यता की सराहना होगी। आज अपने करियर और पढ़ाई को लेकर सजग रहेंगे ।

मकर राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। आज का दिन पारिवारिक सुखों में वृद्धि लेकर आएगा। यदि किसी वजह से उलझन बनी हुई है, तो आज उससे छुटकारा मिलेगा ।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा । आपका कार्य करने का तथा सफलता हासिल करने का जुनून आपको कामयाबी देगा। बिजनेस की रुकावटें दूर होंगी। इंश्योरेंस और कमीशन के बिजनेस में विशेष सफलता मिलेगी। नौकरी कर रहे लोगों का आज इन्क्रीमेंट होने के चांस है । आपके बेटे का अच्छी जगह चयन होने से परिवार में उत्सव का माहौल बनेगा। मीन राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। ये निवेश आने वाले दिनों में बेहतर फायदा देने वाला रहेगा। आज मेहमान नवाजी में भी समय बीतेगा तथा घर में आए लोगों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श करेंगे । इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज लाभ का दिन है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा, परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

राजनीति की गहरी परतों से रुबरु कराता पाताल लोक

पंकज दुबे

'पाताल लोक' के दूसरे सीज़न ने मनोरंजन के स्तर को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। जहां पहला सीज़न अपने उत्कृष्ट लेखन और दिलचस्प किरदारों के लिए मशहूर हुआ था, वहीं दूसरा सीज़न उस विरासत को और भी भव्यता के साथ आगे बढ़ाता है। इस बार की कहानी इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी (जयदीप अहलावत) और एसीपी अंसारी (इश्वाक सिंह) के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी अपनी जांच के दौरान ऐसे मोड़ पर पहुंचते हैं, जहां उनकी राहें आपस में टकरा जाती हैं।

2025 की शुरुआत, दर्शकों के लिए वेब सीरीज़ की दुनिया में एक सुनहरा दौर लेकर आई है। पहले विक्रमादित्य मोटवानी की 'ब्लैक वारंट' ने दर्शकों का मन मोहा, और अब बहुप्रतीक्षित सीरीज़ 'पाताल लोक' के दूसरे सीज़न ने मनोरंजन के स्तर को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। जहां पहला सीज़न अपने उत्कृष्ट लेखन और दिलचस्प किरदारों के लिए मशहूर हुआ था, वहीं दूसरा सीज़न उस विरासत को और भी भव्यता के साथ आगे बढ़ाता है।

इस बार की कहानी इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी (जयदीप अहलावत) और एसीपी अंसारी (इश्वाक सिंह) के ईर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी अपनी जांच के दौरान ऐसे मोड़ पर पहुंचते हैं, जहां उनकी राहें आपस में टकरा जाती हैं। इस टकराव के बाद उन्हें नागालैंड की ओर रुख करना पड़ता है, जहां एक बड़ी राजनीतिक और सामाजिक समस्या उभरती हुई दिखाई देती है। कहानी नागालैंड और दिल्ली के बीच घूमती है, जिसके केंद्र में नॉर्थ ईस्ट के एक बड़े लीडर की देश की राजधानी में हुई राजनीतिक हत्या है, जिससे इस कहानी की शुरुआत होती है।

सीरीज़ में तीन मुख्य पहलुओं को गहराई से उजागर किया गया है। पहला है मानवीय संबंधों की जटिलता। इस कहानी में ह्यूमन रिलेशन्स और उनकी बारीकियों पर बहुत गहराई से काम किया गया है। इस कहानी का लेखन और इसकी मेकिंग इसे बस एक फ़िल्मी शो बनाने से बचाती है और ज़मीन से जोड़कर ही नहीं, बल्कि गाड़कर रखती है। फिर चाहे नागालैंड का केस हो और वहां मिले लोग या फिर ज़िंदगी की उथल पुथल में कई बार चक्की में पिसते अनजान और मासूम लोग, सभी किरदारों पर काफी एम्पथी से नज़र डाली गई है।

दूसरा अहम् पक्ष है, 'दोस्ती का महत्व और ताकत'। इस कहानी में किरदारों की दोस्ती और उस दोस्ती की ताकत को काफी वास्तविक तरीके से रेखांकित किया गया है। कहानी के सभी सबप्लॉट्स इतने ज़मीनी और आम ज़िंदगी से जुड़े हुए लगते हैं, जैसे कि तमाम घटनाक्रम अपने आस पास के ही हों।

पाताल लोक की कहानी का तीसरा मज़बूत आयाम है इसके मुख्य किरदार इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी का अपने कर्तव्यों को निभाने का जुनून। वो हमेशा अपनी दाल रोटी चलाने वाली नौकरी और समाज व इंसानियत के प्रति अपनी ड्यूटी को अलग अलग परिभाषित करके जीता है। उसके लिए उसकी प्रतिबद्धतता सिर्फ़ ऑफिस तक सीमित नहीं रह कर उसके दिल, उसकी भावना से जुड़े होते हैं और वो बिना अपनी परवाह किये बिना उसे सुलझाने में लगा रहता है।

'पाताल लोक' के क्रिएटर हैं सुदीप शर्मा जो इस ज़बरदस्त कहानी के लेखक भी हैं। सुदीप शर्मा के बारे में ये बता देना ज़रूरी है कि उन्होंने इससे पहले नेटफ़्लिक्स के लिए 'कोहरा' नाम की एक सीरीज़ बनाई थी जो कि पंजाब की पृष्ठभूमि पर थी और काफ़ी सराही गई थी।

बहरहाल, 'पाताल लोक' के औसतन 45 मिनटों वाले आठ एपिसोड्स के निर्देशक हैं अविनाश अरुण द्वारे।

इस सीरीज़ में मुख्य कलाकार हैं जयदीप अहलावत, इश्वाक सिंह, गुलपनाग, तिलोत्तमा शोम, मरेनला इम्सॉन्ग, एलसी सेकहोसे, नागेश कुकुनूर और कई अन्य छोटे बड़े लेकिन सब के सब दिग्गज कलाकार।

जयदीप अहलावत ने फिर से यह साबित किया है कि वे इस समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। उनके किरदार, इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी, की संवेदनशीलता और कड़वी सच्चाई को उन्होंने इतनी सजीवता से निभाया है कि दर्शक उनके हर कदम पर साथ चलने को मजबूर हो जाते हैं। उनकी डायलॉग डिलीवरी, हाव-भाव और भावनात्मक गहराई ने शो को और भी यादगार बना दिया है।

उनके आलावा तिलोत्तमा शोम और सह कलाकारों की प्रभावशाली उपस्थिति है। तिलोत्तमा शोम, जो पुलिस अधीक्षक मेघना बरुआ के किरदार में हैं, ने अपने प्रदर्शन से शो को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया है। उनके दृढ़ और प्रभावशाली किरदार ने कहानी में मजबूती और विश्वसनीयता जोड़ी है। मरेनला इम्सॉन्ग और एलसी सेकहोसे जैसे कलाकारों ने नागालैंड की संस्कृति और उसकी राजनीतिक पृष्ठभूमि को बेहद संवेदनशीलता और सटीकता के साथ प्रस्तुत किया है।

सुदीप शर्मा ने इस बार कहानी को न केवल मनोरंजक बनाया है, बल्कि इसे सामाजिक और राजनीतिक गहराइयों तक भी ले गए हैं। हालांकि नागालैंड की पृष्ठभूमि का चित्रण थोड़ा और बेहतर हो सकता था, लेकिन मुख्य कहानी और किरदारों की मज़बूती इस कमी को ढक देती है। डायरेक्टर ने हर फ्रेम को बारीकी से गढ़ा है। नागालैंड की प्राकृतिक सुंदरता, स्थानीय तत्त्व और सामाजिक समस्याओं को दिखाने के लिए सिनेमैटोग्राफी का बेहतरीन उपयोग किया गया है।

'पाताल लोक 2' सिर्फ़ एक क्राइम थ्रिलर नहीं है; यह मानवीय रिश्तों, सामाजिक विषमताओं और हमारी व्यवस्था के अंधेरे पहलुओं की पड़ताल करता है। यह शो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि सच्चाई के कितने पहलू हो सकते हैं और हर इंसान की अपनी कहानी होती है। भारत में आमतौर पर ऐसी फिल्में बनती हैं, जिनमें कलाकारों को एकदम ब्लैक एंड व्हाइट में प्रस्तुत किया जाता है। यानी जो अच्छा है वह हर तरह से अच्छा है और जो बुरा है वह हर तरह से बुरा है। लेकिन चाहे 'ब्लैक वारंट' हो या 'पाताल लोक 2' इनमें कई कैरेक्टर हैं, जिनको आप सिर्फ अच्छे या बुरे की बाइनरी में जज नहीं कर सकते हैं।'पाताल लोक 2' का मुख्य विलेन बहुत गलत कर रहा होता है लेकिन उसको न्यायसंगत ठहराने की उसके पास बहुत जायज वजह होती है। आम हिंदी फिल्मों या सीरीज की तरह विलेन अपने फायदे या मौज मस्ती के लिए विलेन नहीं है। इसी तरह बेहद बारीकी और सहजता से समलैंगिकता को व्यक्ति की निजी पसंद के तौर पर स्थापित करने का प्रयास भी निर्देशक ने किया है।

इसका संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के साथ पूरी तरह मेल खाता है। हर दृश्य में संगीत ने भावनाओं को और गहराई दी है, खासकर उन दृश्यों में जहां संवाद कम हैं और भावनाएं ज्यादा।

हालांकि शो ने अधिकतर पहलुओं में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन नागालैंड की राजनीतिक पृष्ठभूमि को गहराई से चित्रित करने में थोड़ी कमी महसूस होती है। इसके अलावा, कुछ एपिसोड में कहानी थोड़ी धीमी पड़ती है, जो दर्शकों की धैर्य की परीक्षा ले सकती है।

केजरीवाल पर जमकर बरसे अमित शाह

5 फरवरी को कमल का बटन इतने जोर से दबाना कि शीश महल के शीशे टूट जाएं

नई दिल्ली (वि.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में रोड शो भी किया और जनसभा को भी संबोधित किया। आम आदमी पार्टी पर हमलावर होते हुए अमित शाह ने कहा कि ये (आप) भ्रष्टाचार हटाने का नाम लेकर सत्ता में आए थे और हजारों करोड़ रुपए का घोटाला कर दिया। आप वादा-खिलाफी करने वाली पार्टी है। इन्होंने (अरविंद केजरीवाल) कहा कि हम राजनीतिक पार्टी नहीं बनाएंगे, लेकिन पार्टी बनाई। शीला दीक्षित को जेल में डालने की बात कही और कांग्रेस से समर्थन लेने का काम किया। शराब की दुकानें बंद कराने वाले थे, खुद ही शराब की बोतल बन गए। यमुना में डुबकी लगाने वाले थे, लेकिन आज तक डुबकी नहीं लगाई... इन्होंने पूरी दिल्ली को गंदा पानी पिलाने का काम किया और आज जब आप-दा का विरोध हो रहा है तो आरोप लगा रहे हैं कि हरियाणा सरकार ने पानी में ज़हर मिला दिया है... ये सब इनकी बहानेबाजी है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं केजरीवाल से कहना चाहता हूं कि चुनाव जीतने के लिए झूठ बोलना बंद करो। ये कहते हैं कि भाजपा वालों ने दिल्ली वालों को परेशान करने के लिए हरियाणा से यमुना जी के जल में ज़हर मिलाया है। अरविंद केजरीवाल कौन-सा ज़हर मिलाया है? कौन सी लेबोरेटरी में आपने टेस्ट कराया है? उसका नाम बताइए। आप कह रहे हैं कि ज़हर मिलाया हुआ पानी आपने रोक दिया। यमुना का पानी रुकता है तो गांवों में बाढ़ आती है लेकिन, आप बताइए दिल्ली के किसी गांव में बाढ़ आई है क्या? आपदा को हटाने का मतलब है 10 सालों के अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार को जवाब देना। अमित शाह ने कहा कि 5 फरवरी को दिल्ली की जनता के सामने मौका है कि वे दिल्ली में आप को हटाकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाएं... 10 सालों तक इन्होंने पूरी दिल्ली को कूड़ेदान में बदल दिया... ये लोग बहाने बनाते रहते हैं... दिल्ली सुंदर बनेगी, कूड़े के पहाड़ खत्म हो जाएंगे, सड़कों और गलियों की सफाई होगी। 5 तारीख को दिल्ली की जनता के सामने आप को हटाकर मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनाने का मौका है। कमल के निशान पर बटन दबाना है और भाजपा सरकार बनानी है। बटन इतने जोर से दबाना है कि केजरीवाल के शीश महल के शीशे टूट जाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिल्ली में दो करोड़ रुपये मूल्य के चोरी हुए करीब 200 फोन बरामद, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजधानी के वजीराबाद इलाके में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब दो करोड़ रुपये मूल्य के चोरी के 200 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उसने बताया कि अपराध शाखा की टीम ने वजीराबाद इलाके में चोरी के मोबाइल फोन की खेप पकड़ी। इन मोबाइल फोन को तस्करी के जरिए नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका भेजा जाना था। उसने बताया कि इन मामले में मनीष यादव नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि बरामद मोबाइल फोन में 39 एप्पल आईफोन, 52 सैमसंग, 45 वनप्लस, 12 गूगल पिक्सल फोन, 28 ओप्पो और 19 वीवो स्मार्टफोन शामिल हैं। इनमें से 18 फोन शहर के विभिन्न थानों में दर्ज प्राथमिकी से जुड़े हैं। पुलिस ने बताया कि शेष मोबाइल फोन के मालिकों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सहारनपुर में 50 लाख रुपये की स्मैक के साथ तीन गिरफ्तार

सहारनपुर (ए.)। सहारनपुर जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने एक महिला समेत तीन कथित मादक पदार्थ तस्करों के पास से 50 लाख रुपये कीमत की स्मैक बरामद की है जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार

कर लिया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि आरोपी एक ही परिवार के हैं और वे बरेली से स्मैक की तस्करी कर लाते थे और उसे ऊंचे दाम पर बेचते थे। उन्होंने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने नूर बस्ती में एक घर पर छापा मारा और 415 ग्राम स्मैक, 6,140 रुपये नकद और पैकेजिंग सामग्री बरामद की जिसके बाद मुस्तफा, भूरा और नवाबो को गिरफ्तार कर लिया गया। बिंदल ने कहा कि गिरोह का सरगना अभी फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनका परिवार लंबे समय से नशीले पदार्थ के धंधे में शामिल है। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

महाकुंभ हादसे में गोंडा से आए एक श्रद्धालु की मौत, पत्नी संग पहुंचे थे प्रयागराज

गोंडा,(आरएनएस)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से आयोजित भव्य महाकुंभ में बुधवार को मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में गोंडा से आए एक श्रद्धालु की मौत हो गई। श्रद्धालु की पहचान ननकन कौरी के तौर पर हुई है। मृतक ननकन कौरी अपनी पत्नी समेत 12 लोगों के साथ प्रयागराज में अमृत स्नान करने के लिए पहुंचे थे। मृतक के भतीजे ने बताया कि कुंभ के दौरान अचानक भगदड़ मच गई। भगदड़ में हम लोगों का साथ छूट गया। हालांकि, जब स्थिति शांत हुई तो हम उन्हें खोजने लगे। हमें जानकारी मिली कि वह घायल हो गए हैं और इलाज के लिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। जब अस्पताल पहुंचे तो उन्हें डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया था। महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 25 लोगों की पहचान हुई है। इसमें गोंडा के ननकन भी शामिल है। प्रशासन द्वारा एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। शव को गोंडा भेजा जा रहा है।वहीं, बलिया से आई एक बुजुर्ग श्रद्धालु ने बताया कि भगदड़ इतनी भयंकर थी कि हम सभी अलग हो गए। लोग पवित्र स्नान के लिए जा रहे थे और सभी एक ही स्थान से गुजर रहे थे, जिसके कारण टक्कर हो गई। इसमें प्रशासन की गलती है कि नहीं मालूम नहीं। उन्होंने कहा कि जिनके साथ वह बलिया से कुंभ नहाने के लिए आई थी वह बिछड़ गए हैं और पूरी रात उन्होंने सड़क पर गुजारी है। अब बलिया लौटेंगे। महाकुंभ में हुई भगदड़ पर बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सहायता राशि देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा , हम राज्य सरकार की ओर से हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के परिवार को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की घोषणा करते हैं। न्यायिक आयोग इस मामले की जांच करेगा।

अंबाला में बसपा नेता हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में ढेर

अंबाला (आरएनएस)। अंबाला के नारायणगढ़ में हाल ही में बसपा नेता हरबिलास रज्जूमाजरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के मुख्य आरोपी सागर को पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुठभेड़ अंबाला के एम. महाराणा प्रताप नेशनल कॉलेज के पास हुई। सागर का शव छावनी के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस के 2 से 3 जवान भी घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ज्ञात हो कि हाल ही में नारायणगढ़ इलाके में बसपा नेता हरबिलास रज्जूमाजरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हालांकि, उनके दो साथी घायल हुए थे। हत्या की जिम्मेदारी इनामी बदमाश वेंकट गर्ग ने ली थी। वेंकट पर दो लाख रुपये का इनाम है।

दिल्ली पुलिस ने 'पंजाब सरकार' के स्टिकर वाली कार से नकदी, शराब जब्त की

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को 'पंजाब सरकार' के स्टिकर वाली एक गाड़ी पकड़ी है जिसमें नकदी, शराब और आम आदमी पार्टी (आप) के पर्चे भी मिले हैं। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पंजाब के नंबर प्लेट वाली गाड़ी को नयी दिल्ली जिले में उड़न दस्ते ने पकड़ा। पंजाब सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया कि दिल्ली में पकड़ी गई कार उसकी है। 'आप' ने भी एक बयान जारी कर कहा कि कार जब्त करना पूर्व ''प्रायोजित'' है। दिल्ली पुलिस के कहा कि अधिकारियों ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और तिलक मार्ग पुलिस थाने में मामला दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, ''(कार की तलाशी लेने पर) हमें गाड़ी के अंदर नकदी, शराब की कई बोतलें और आम आदमी पार्टी के पर्चे मिले हैं।

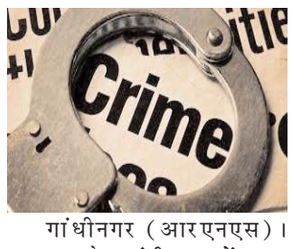

विधवा मां के प्रेमी की नाराज भाईयों ने की बेरहमी से हत्या, फिर पेट काटकर आंते निकालकर हवा में फेंकी

गांधीनगर (आरएनएस)। गुजरात के गांधीनगर में एक खौफनाक घटना सामने आई है, जहां दो भाइयों ने अपनी मां के प्रेमी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। आरोपियों ने कथित तौर पर मृतक की आंतें निकालकर हवा में फेंक दीं। पुलिस के अनुसार, यह हत्या मां के साथ मृतक के अफेयर को लेकर उपजे गुस्से की वजह से की गई। मृतक रतनजी ठाकोर का दोनों भाइयों की विधवा मां के साथ 15 साल से अधिक समय से संबंध था। आरोपियों का मानना था कि इस संबंध ने उनके दिवंगत पिता की यादों को अपमानित किया और परिवार को शर्मिंदा किया। एफआईआर के अनुसार, संजय और जयेश ठाकोर पहले भी रतनजी ठाकोर के साथ झगड़ा करते थे और उन्हें अपनी मां से दूर रहने की चेतावनी देते थे। उन्होंने इस मामले में समुदाय के बुजुर्गों को भी शामिल किया था, लेकिन मामले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के प्रयास विफल रहे थे। रविवार को, जब रतनजी ठाकोर और उनके सहयोगी गांव में घर का निर्माण कर रहे थे, संजय और जयेश चाकू और रॉड से लैस होकर वहां पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। दोनों भाइयों ने पेट पर चाकू से कई वार किए। उसकी आंतें निकालकर हवां में फेंक दी और फिर पेट के अंगों को चाकू से काट दिया। एफआईआर में यह भी बताया गया है कि हमलावरों ने कुछ मजदूरों और रतनजी के सहयोगी को भी धमकाया, जिन्होंने हमले के दौरान बीच-बचाव करने की कोशिश की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को उनके मोबाइल फोन लोकेशन के जरिए ट्रैक किया और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन पर हत्या और उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

इस प्रसिद्ध मंदिर में भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू, स्कर्ट व कटे-फटे कपड़े पहनने पर नहीं मिलेगी एंट्री

मुंबई(आरएनएस)। मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में भक्तों के लिए आज से ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था के तहत, स्कर्ट, कटे-फटे कपड़े और रिवीलिंग ड्रेस पहनकर मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन के फैसले का भक्तों ने स्वागत किया है। गुरुवार सुबह मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों ने कहा कि यह एक अच्छा फैसला है। मंदिर में दर्शन करने आईं श्रद्धालु पुष्पा ने कहा कि मैं मंदिर प्रशासन के फैसले का समर्थन करती हूं। अगर हम हिंदू संस्कृति का पालन करते हैं, तो देवी-देवताओं का भी सम्मान करना चाहिए। ड्रेस कोड की व्यवस्था गुरुद्वारे, दरगाह और चर्च में पहले से बनी हुई है। अगर कोई शख्स गुरुद्वारे जाता है, तो बिना सिर ढके अंदर नहीं जा सकता। चर्च और दरगाह में जाने पर नियमों का पालन करने के लिए कहा जाता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के साथ अहमदाबाद में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक के दौरान.

मोहन भागवत ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचे

भुवनेश्वर (ए.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत बृहस्पतिवार को ओडिशा के पांच दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। इस दौरान वह एक स्मृति सभा में शामिल होंगे और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। भागवत अपराह्न लगभग एक बजे बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां आरएसएस पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। कड़ी सुरक्षा के बीच वह शहर के मंचेश्वर इलाके में उत्कल बिपन्ना सहायता समिति कार्यालय पहुंचे। उनका शाम छह बजे भुवनेश्वर में पूर्व 'प्रांत संघ चालक' शिवराम महापात्र की स्मृति सभा में शामिल होने का कार्यक्रम है। आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी सुमंत कुमार पांडा ने बताया कि भागवत राज्य में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा भी करेंगे और आरएसएस का शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारियों से जुड़ी बैठकों में शामिल होंगे।

बिहार में 730.59 करोड़ की दो रेल लाइन परियोजनाओं पर जल्द शुरू होगा काम

पटना (वि.सं.)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलने के बाद कहा कि बिहार में बिहटा - औरंगाबाद और सुल्तानगंज - देवघर रेलवे लाइन के निर्माण की कुल 730.59 करोड़ रुपये से अधिक लागत की दो परियोजनाओं पर काम जल्द शुरू होगा। चौधरी ने कहा कि 290 करोड़ की लागत से सुल्तानगंज -देवघर के बीच नयी रेल लाइन (78.08 किमी) बनने से श्रावणी मेले में जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम होगी। इस रेलवे लाइन के चालू होने पर सुल्तानगंज, असरगंज, तारापुर, बेलहर और देवघर के लोग सीधे रेल सम्पर्क से जुड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अनुग्रह नारायण रोड से औरंगाबाद (12.90 किलोमीटर) नई रेल लाइन के लिए 440.59 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर चुकी है। यह लाइन बिहटा-औरंगाबाद नई लाइन का ही एक भाग है। इस से राजधानी पटना और औरंगाबाद की दूरी मात्र डेढ़-दो घंटे में तय हो जाएगी। इस रेल मार्ग के लिए 14 स्टेशन प्रस्तावित हैं।

सीबीआई को बड़ी सफलता, 150 करोड़ से ज्यादा का फर्जीवाड़ा करने वाले दो भगोड़े भारत लाए

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। इंटरपोल रेड नोटिस के तहत थाईलैंड से दो भगोड़ों को भारत निर्वासित किया गया है। यह लोग तमिलनाडु और गुजरात में अलग-अलग मामलों में वांछित थे। सीबीआई ने इस ऑपरेशन का समन्वयन किया था। इन भगोड़ों में से एक जनार्थन सुंदरम है। जनार्थन सुंदरम पर पोंजी स्कीम के जरिए निवेशकों से 87 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि पोंजी योजना के जरिए निवेशकों के 87 करोड़ रुपये से अधिक धन हड़पने के आरोपी जनार्दन सुंदरम को बैंकॉक से भारत भेज दिया गया और तमिलनाडु पुलिस ने कोलकाता हवाई अड्डे पर उसे हिरासत में ले लिया। वह तमिलनाडु पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा आपराधिक षड्यंत्र, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जमा/ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक और अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 के तहत किए गए अपराधों के लिए वांछित था। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, सीबीआई ने तमिलनाडु पुलिस के अनुरोध पर 21 जून, 2023 को इंटरपोल से उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी करवाया। एजेंसी ने बताया कि 28 जनवरी 2025 को बैंकॉक की यात्रा करने वाले सुंदरम को रेड नोटिस के आधार पर प्रवेश देने से मना कर दिया गया। वहीं, दूसरे ऑपरेशन में जालसाजी और आपराधिक साजिश के एक अन्य मामले में इंटरपोल की ओर से रेड कॉर्नर नोटिस वॉन्टेड वीरेंद्रभाई मणिभाई पटेल को अहमदाबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने वीरेंद्रभाई के खिलाफ नोटिस जारी करवाया था।फ्रॉड के एक मामले में गुजरात पुलिस के अनुरोध पर आरोपी के खिलाफ नोटिस जारी किया गया था। गुजरात पुलिस ने साल 2002 में आपराधिक साजिश, दस्तावेजों की जालसाजी, जाली दस्तावेज़ का उपयोग, धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की डिलीवरी के मामलों में केस दर्ज किया गया था। वीरेंद्रभाई पटेल पर 77 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप है।

चंडीगढ़ के मेयर कुलदीप कुमार को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने दी अंतरिम जमानत; भ्रष्टाचार पर दर्ज हुई थी एफआईआर

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। चंडीगढ़ के सिटिंग मेयर कुलदीप कुमार को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है। अब वो बिना गिरफ्तारी के डर से नगर निगम चुनाव में वोट डाल सकेंगे। दरअसल, वोटिंग से पहले मेयर कुलदीप कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत और मेयर चुनाव के दौरान वोट करने की हाईकोर्ट से अनुमति मांगी थी। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के मेयर कुलदीप कुमार ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में देर रात याचिका दायर की थी। चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर के लिए थोड़ी देर में वोटिंग शुरू होगी। इसके तुरंत बाद काउंटिंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए भाजपा ने हरप्रीत कौर बबला और आम आदमी पार्टी (AAP) ने प्रेम लता को उम्मीदवार बनाया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस चुनाव की वीडियोग्राफी होगी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस जयश्री ठाकुर बतौर ऑब्जर्वर यहां मौजूद रहेंगी। कल बुधवार को मेयर कुलदीप कुमार और उनके साले राहुल पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया गया था।

27 साल पहले घर से लापता हुआ था पति, अब महाकुंभ में इस रूप में हुई मुलाकात; परिवार के पैरों तले निकली जमीन

प्रयागराज (आरएनएस)। कुंभ मेले में अपनों के बिछड़ने और कई वर्षों के बाद मिलने के किस्से तो अपने अकसर सुने होंगे। ऐसे ही एक मामला महाकुंभ मेले में भी सामने आया है। झारखंड के एक परिवार ने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले में 27 साल बाद अपने खोए हुए सदस्य को खोज निकालने का दावा किया है। परिवार का कहना है कि 1998 में लापता हुए गंगासागर यादव अब 'अघोरी' साधु बन चुके हैं, जिन्हें लोग बाबा राजकुमार के नाम से जानते हैं। उनकी उम्र 65 साल है, गंगासागर 1998 में पटना जाने के बाद अचानक लापता हो गए थे और उनकी कोई खबर नहीं मिल पाई थी। उनकी पत्नी धनवा देवी ने अकेले ही अपने दो बेटों, कमलेश और विमलेश को पाला।गंगासागर के छोटे भाई मुरली यादव ने बताया, 'हमने भाई को खोजने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन हाल ही में हमारे एक रिश्तेदार ने कुंभ मेले में एक साधु को देखा, जो गंगासागर जैसा दिखता था। उन्होंने उसकी तस्वीर खींचकर हमें भेजी। तस्वीर देखकर हम तुरंत धनवा देवी और उनके दोनों बेटों के साथ कुंभ मेले पहुंचे।'परिवार का दावा है कि उन्होंने बाबा राजकुमार के रूप में अपने गंगासागर यादव को पहचाना, लेकिन साधु ने अपनी पुरानी पहचान को पूरी तरह नकार दिया। बाबा राजकुमार ने खुद को वाराणसी का साधु बताते हुए कहा कि उनका गंगासागर से कोई संबंध नहीं है।

अभिनेत्री पूनम पांडे ने लगाई गंगा में डुबकी, भगदड़ पर जताई संवेदना

मुंबई (ए.)। अपनी मौत का स्वांग रचने वाली मॉडल पूनम पांडे महाकुंभ नगर पहुंची और गंगा में डुबकी लगाई। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। पूनम ने कहा कि यहां आस्था की कोई सीमा नहीं है। महाकुंभ में हुई भगदड़ पर संवेदना जताते हुए उन्होंने मोक्ष प्राप्ति की बात कही।सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री पूनम पांडे ने बताया कि उन्होंने महाकुंभ में जिंदगी को करीब से देखा। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, महाकुंभ में जिंदगी को करीब से देखा, जहां 70 साल का एक बुजुर्ग नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे आश्चर्य में डाल दिया।प्रयागराज में बुधवार को हुई भगदड़ पर अभिनेत्री ने मृतकों, उनके परिजनों और घायलों के प्रति संवेदना जताई। अभिनेत्री ने लिखा, जो लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, उनके लिए गहरी संवेदना, उम्मीद है कि उन्हें मोक्ष मिलेगा।

प्रयागराज में महाकुंभ में टेंट में लगी आग, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

"उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में गुरुवार सुबह 15 टेंट में आग लग गई, अधिकारियों ने बताया। चटनाग घाट के पास लगे टेंट में लगी आग में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है"

प्रयागराज (ए.)। समाचार एजेंसी एएनआई ने अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि हालांकि टेंट तक पहुंचने में दमकल की गाड़ियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा क्योंकि वहां पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं था, लेकिन वे समय रहते आग बुझाने में सफल रहे और किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। यह घटना बुधवार को संगम क्षेत्र में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत के एक दिन बाद हुई है। बुधवार को महाकुंभ में मौनी अमावस्या (अमावस्या) के अवसर पर पवित्र स्नान

करने के लिए लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच हुई धक्का-मुक्की में कुल 30 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 19 जनवरी को सेक्टर 19 कैंपसाइट इलाके में करीब तीन गैस सिलेंडरों में विस्फोट के बाद महाकुंभ में भीषण आग लग गई थी। अग्निशमन विभाग ने तुरंत कार्रवाई की और आग पर काबू पा लिया। आग के कारण किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

धूम धाम का ट्रेलर रिलीज, यामी गौतम और प्रतीक गांधी की शादी में घुसे बिन बुलाए बाराती

पिछले कई दिनों से फिल्म धूम धाम चर्चा में है। इस फिल्म में यामी गौतम और प्रतीक गांधी ने मुख्य भूमिका निभाई है और इसके जरिए ये दोनों कलाकार पहली बार साथ आए हैं। कुछ दिन पहले फिल्म के पोस्टर और टीजर सामने आया था, जिस पर लोगों ने जमकर प्यार लुटाया।अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।लोगों ने इस पर क्या प्रतिक्रिया दी है, आइए जानते हैं। यामी और प्रतीक केमिस्ट्री शानदार लग रही है। दोनों की शादी होती है और शादी की पहली रात ही तब बवाल हो जाता है, जब उनकी शादी में अनचाहे बाराती या कहें गुंडे घुस जाते हैं। शादी का मंडप जंग का मैदान बन जाता है और कोयल बनीं यामी और वीर बने प्रतीक की जिंदगी में भूचाल आ जाता है।इस नई-नवेली जोड़ी की पहली रात की कहानी मजेदार लग रही है, वहीं यामी की कॉमेडी भी देखने लायक है।प्रतीक की एक्टिंग भी लाजवाब है। वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। उन्हें कैसा भी किरदार दे दिया जाए, वो उसमें हर बार अव्वल नंबरों से पास हुए हैं। उन्होंने गंभीर से लेकर कॉमेडी किरदार बेहतरीन तरीके से निभाए हैं। कहीं न कहीं कॉमिक किरदारों के लिए प्रतीक को ज्यादा वाहवाही मिली है।पिछली बार आई उनकी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में भी प्रतीक की कॉमेडी लोगों को पसंद आई थी। अब वह अपने कॉमेडी अवतार में वापस लौट आए हैं ट्रेलर देख एक यूजर ने लिखा, यामी बेहद प्रतिभाशाली और खूबसूरत हैं, लेकिन कोई भी उनकी प्रतिभा अब तक बखूबी भुना नहीं पाया है। एक ने लिखा, बड़े टाइम बाद ऐसी कॉमेडी फिल्म देखने को मिलेगी। ट्रेलर के बाद अब इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। एक लिखते हैं, ये दोनों ही कलाकार जबरदस्त हैं और इनकी कॉमेडी भी बढ़िया है। ट्रेलर ने उम्मीद और बढ़ा दी है। एक ने लिखा, एजाज खान ने भी चार चांद लगा दिए। धूम धाम रोमांस और कॉमेडी से भरपूर मनोरंजक फिल्म है। इस फिल्म के लेखक यामी के पति आदित्य धर हैं। शादी से पहले यामी और आदित्य ने ब्लॉकबस्टर फिल्म उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में साथ काम किया था, जिसके हीरो विक्की कौशल हैं। धूम धाम 14 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। अब यह तो फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चलेगा कि कोयल और वीर की शादी में क्या तूफान मचता है।

बॉक्स ऑफिस पर कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी ने तोड़ा दम, 12वें दिन रहा ऐसा हाल

अभिनेत्री कंगना रनौत ने लंबे समय से हिट फिल्म का मुंह नहीं देखा हैं। उम्मीद थी कि उनकी फिल्म इमरजेंसी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी और इसके जरिए सालों बाद उन्हें एक हिट फिल्म नसीब होगी, लेकिन इसने भी उन्हें निराश कर दिया।हालत यह है कि फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी हुई है।अब इमरजेंसी की कमाई के 12वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इमरजेंसी ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 20 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 17.10 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म का बजट 60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।कंगना के खाते में पिछले 10 साल से एक भी हिट फिल्म नहीं आई है। साल 2015 में रिलीज हुई तनु वेड्स मनु रिटर्न्स उनकी आखिरी हिट फिल्म थी।कंगना ने इमरजेंसी में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक सहित कई कलाकार अहम भूमिका निभाते दिखे हैं।फिल्म में खासतौर से कंगना के काम की काफी तारीफ हो रही है। समीक्षकों ने भी कंगना और उनकी इस फिल्म की खूब तारीफ की है। हालांकि, टिकट खिड़की पर फिल्म कोई कमाल नहीं दिखा रही है। फिल्म की निर्माता-निर्देशक और लेखक कंगना ही हैं।

बोमन ईरानी के डायरेक्शन में बनी बाप-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड फिल्म द मेहता बॉयज की रिलीज डेट आउट

2025 भारत में दर्शकों के मनोरंजन के सबसे पसंदीदा डेस्टिनेशन प्राइम वीडियो ने आज घोषणा की है कि 7 फरवरी को क्रिटिक्स की भरपूर तारीफ़ पाने वाली ऑरिजिनल फ़िल्म, द मेहता बॉयज़ का प्रीमियर होगा. चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट एलएलपी के साथ मिलकर ईरानी मूवीटोन एलएलपी के बैनर तले बोमन ईरानी, दानेश ईरानी, विकेश भूटानी, और शुजात सौदागर द्वारा प्रोड्यूस की गई फ़िल्म, द मेहता बॉयज़ का निर्देशन बोमन ईरानी ने किया है. ईरानी ने एकेडमी अवार्ड विजेता एलेक्स डिनेलारिस के साथ मिलकर इस फिल्म की कहानी भी लिखी है. बाप-बेटे के रिश्ते की उलझनों और परिवार के सदस्यों के बीच के पेचीदा नाते के ताने-बाने को बखूबी दिखाने वाली इस ऑरिजिनल फ़िल्म को बेहद माहिर कलाकारों ने पर्दे पर उतारा है.इस फ़िल्म में बोमन ईरानी, अविनाश तिवारी, श्रेया चौधरी, और पूजा सरूप मुख्य भूमिकाओं में नज़र आने वाले हैं. भारत के साथ-साथ दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में 7 फरवरी को प्राइम वीडियो पर हिंदी में द मेहता बॉयज़ का एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगा, जिसे तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब किया जाएगा तथा कई भाषाओं में सबटाइटल के साथ रिलीज़ किया जाएगा. द मेहता बॉयज़ एक बाप और बेटे की कहानी है, जिनकी सोच एक-दूसरे से बिल्कुल जुदा है और उन्हें न चाहते हुए भी एक-दूसरे के साथ 48 घंटे बिताने के लिए मजबूर होना पड़ता है. बाप-बेटे के बीच के उलझन भरे रिश्तों की बारीकियों को बखूबी पेश करने वाली इस फ़िल्म में उनके उतार-चढ़ाव भरे सफ़र को दिखाया गया है। सितंबर 2024 में आयोजित बेहद सम्मानजनक 15वें शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल (CSAFF) में द मेहता बॉयज़ का ग्लोबल प्रीमियर हुआ था, तथा इस फेस्टिवल में बेस्ट फीचर फ़िल्म का पुरस्कार भी हासिल किया। इसके बाद, अक्टूबर 2024 में टोरंटो में आयोजित इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल ऑफ़ साउथ एशिया में बोमन ईरानी को बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला. नवंबर 2024 में गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ इंडिया (IFFI) में पहली बार इस फ़िल्म को एशिया में पेश किया गया, साथ ही जनवरी 2025 में इंडियन फ़िल्म फेस्टिवल बर्लिन में भी इसका प्रदर्शन किया गया। प्राइम वीडियो, इंडिया के हेड ऑफ़ ऑरिजिनल्स, निखिल मधोक ने कहा, द मेहता बॉयज़ दिल को छू लेने वाली और खूबसूरती से बनाई गई फ़िल्म है, जो बाप-बेटे के रिश्ते की उलझनों और दिल की गहराई में बसे जज़्बातों को पर्दे पर उतारती है, इस फ़िल्म को अब तक मिली तारीफ़ इस कहानी की सच्चाई के बारे में बहुत कुछ बयां करती है, जिसने दुनिया भर के लोगों का दिल जीता है, प्राइम वीडियो में हम ऐसी कहानियों को दर्शकों के सामने लाने के इरादे पर अटल हैं, जिनसे दुनिया भर के दर्शकों को जुड़ाव महसूस हो, और द मेहता बॉयज़ की कहानी इंसानी रिश्तों की जटिलताओं को बखूबी पेश करती है।

देवा के नए पोस्टर में शाहिद कपूर का दिखा धांसू अवतार, एडवांस बुकिंग हो गई शुरू

आने वाले दिनों में कई फिल्में दर्शकों के बीच आने वाली हैं, जिनका इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है। इन्हीं में से एक है देवा, जिसके हीरो शाहिद कपूर हैं। यह फिल्म आगामी 31 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इससे पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। इसके साथ फिल्म देवा से शाहिद की नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।देवा का निर्माण विद्या बालन के पति और जाने-माने फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर कर रहे हैं। फिल्म में शाहिद की जोड़ी पूजा हेगड़े के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।इस फिल्म का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। फिल्म में पावेल गुलाटी भी अहम भूमिका में हैं। देवा की एक और खास बात यह है कि इसमें बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की धरोहर को दिखाया जाएगा।

एली अवराम ने इलू इलू 1998 में अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा की

अपनी आगामी फिल्म 'इलू इलू 1998' की तैयारी कर रहीं अभिनेत्री एली अवराम ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताया है। अभिनेत्री ने बताया कि वह फिल्म में गोवा की कैथोलिक अंग्रेजी शिक्षिका की भूमिका निभा रही हैं। अपनी आकर्षक छवि और स्क्रीन पर अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए मशहूर अभिनेत्री इस अनोखी, दिल को छू लेने वाली ड्रामा फिल्म में 1998 की रंगीन अराजकता में एक पुरानी यादों को ताजा कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन अजिंक्य बापू फाल्के ने किया है और यह रोमांस, कॉमेडी और दिल को छू लेने वाली पुरानी यादों का एक बेहतरीन मिश्रण है। फिल्म का शीर्षक 90 के दशक के मशहूर कैचफ्रेज़ से लिया गया है जो आज भी मीठी यादें ताज़ा कर देता है। फिल्म के बारे में बात करते हुए एली अवराम ने कहा, जब मैंने पहली बार इलू इलू 1998 की स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं तुरंत सुश्री पिंटो के किरदार की गहराई और आकर्षण से आकर्षित हो गई। मैं एक गोवा कैथोलिक अंग्रेजी शिक्षिका की भूमिका निभा रही हूँ। अभिनेत्री ने आगे बताया, वह गर्मजोशी, ताकत और सूक्ष्म जटिलताओं से भरी एक महिला हैं, और मैंने उन्हें जीवन में उतारना एक रोमांचक चुनौती के रूप में देखा। मराठी सिनेमा में अपनी शुरुआत करना एक कलाकार के रूप में मेरे लिए एक स्वाभाविक प्रगति की तरह लगा, और मैं इस जीवंत उद्योग का पता लगाने के लिए उत्सुक थी। जैसे ही मैंने शीर्षक सुना, मैंने कहा, हे भगवान, *इलू इलू! मैं इसमें हूँ! यह फिल्म 90 के दशक के लिए मेरा प्रेम पत्र है - फैशन, संगीत, ड्रामा - और मैं इस विचित्र सवारी से सभी के प्यार में पड़ने का इंतजार नहीं कर सकती। चलिए बस इतना ही कहूँ कि 1998 बुला रहा है, और मैं पूरी तरह से फिल्मी अंदाज में इसे अपना रही हूँ। एली विंटेज आउटफिट्स पहने, पेपी रेट्रो बीट्स पर थिरकती और उस दौर को अपनाती नज़र आएंगी जब मिक्सटेप्स और लैंडलाइन का बोलबाला था। यह फिल्म 31 जनवरी को रिलीज़ होने वाली है।

शरवरी वाघ ने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर बरपाया कहर, वन पीस ड्रेस पहन कैमरे के सामने दिए एक से एक पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर फैंस के बीच शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस शरवरी वाघ इन दिनों अपनी एक्टिंग और फैशन सेंस को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अंदाज अक्सर इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। शरवरी वाघ की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्राउन कलर की बेहद ही स्टाइलिश ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों को मेसी लुक देकर, लाइट मेकअप और न्यूड ब्राउन शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे से सामने प्यारी सी स्माइल देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। उनकी इस खूबसूरत स्माइल को देखकर फैंस अपना दिल हार गए हैं। शरवरी वाघ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

बोटॉक्स या फिलर्स, चेहरे की झुर्रियां हटाने के लिए क्या करवाएं? डॉक्टर से जानें जवाब

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर इसका असर दिखने लगता है. झुर्रियां तो कभी फाइन लाइन्स चेहरे की सुंदरता को कम करने लगती हैं. उम्र के साथ-साथ खराब लाइफस्टाइल और प्रदूषण की वजह से पिग्मेंटेशन भी होने लगता है.महिलाएं एजिंग को छुपाने के लिए महंगे से महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं. इसके साथ ही बोटॉक्स और फिलर जैसे स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं. लेकिन अक्सर लोगों में इस बात को लेकर कंफ्यूजन रहती है कि चेहरे की झुर्रियां हटाने के लिए बोटॉक्स या फिलर्स कौन सा ज्यादा अच्छा है? आइए कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट से जानते हैं इसके बारे में.

क्या है बोटॉक्स और फिलर?

बोटॉक्स और फिलर्स दोनों ही स्किन ट्रीटमेंट हैं. उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने के लिए महिलाएं ये करवाती हैं. ताकि उनका चेहरा जवां रहे.

बोटॉक्स ट्रीटमेंट क्या है?

यह एंटी-एजिंग कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट है. इसमें बोटुलिनम टॉक्सिन या ओनोबोटुलिनमटॉक्सिन ए को इंजेक्ट किया जाता है. झुर्रियों को कम करने और चेहरे की मांसपेशियों को आराम देने के लिए इसका इस्तेमाल होता है. आंखों के आस-पास और आइब्रो के बीच की झुर्रियों को कम करने के लिए इसका यूज किया जाता है. इसके साथ ही इससे जबड़े की फाइन लाइन्स को भी कम किया जाता है.

फिलर ट्रीटमेंट क्या है?

फिलर्स की मदद से झुर्रियों को भरकर उन्हें कम किया जाता है. इससे गालों और होठों का वॉल्यूम बढ़ाया जा सकता है. चेहरे की आकृति को निखारने के लिए भी किया जाता है. फिलर्स जेल जैसे पदार्थ होते हैं, जो हायलूरोनिक एसिड से बने होते हैं. इन्हें स्किन के नीचे इंजेक्ट किया जाता है. इसका असर चेहरे पर 6 से 24 महीने तक रहता है.

स्किन की प्रॉब्लम के हिसाब से चुनें ट्रीटमेंट

कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके बताया कि बोटॉक्स और फिलर दोनों स्किन ट्रीटमेंट स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं. अपनी स्किन की प्रॉब्लम के हिसाब से आप अपने लिए ट्रीटमेंट चुन सकती हैं.

पेट में लगातार दर्द रहे तो न करें नजरअंदाज, हो सकता है अपेंडिक्स कैंसर, इस उम्र के लोग रहें सावधान!

यूं तो पेट में दर्द एक सामान्य समस्या है, जो कब्ज या अपच की वजह से भी हो सकती है. लेकिन अगर ये दिक्कत आपको लगातार हो रही है तो इसे नजरअंदाज बिल्कुल भी न करें. पेट में लंबे समय तक असहनीय दर्द अपेंडिक्स कैंसर होने का संकेत हो सकता है. अपेंडिसाइटिस एक रोग है, जिसे आम बोलचाल की भाषा में अपेंडिक्स कहा जाता है. हमारे पेट के अंदर छोटी और बड़ी आंत के बीच में छोटा सा ट्यूब के आकार का अंग अपेंडिक्स होता है. जिसकी कोशिकाओं में अपेंडिक्स कैंसर की शुरुआत होती है. अभी तक इसके होने के पीछे सटीक कारणों का भी पता नहीं चल पाया है. आइए जानते हैं किस उम्र के लोगों को अपेंडिक्स कैंसर होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है?

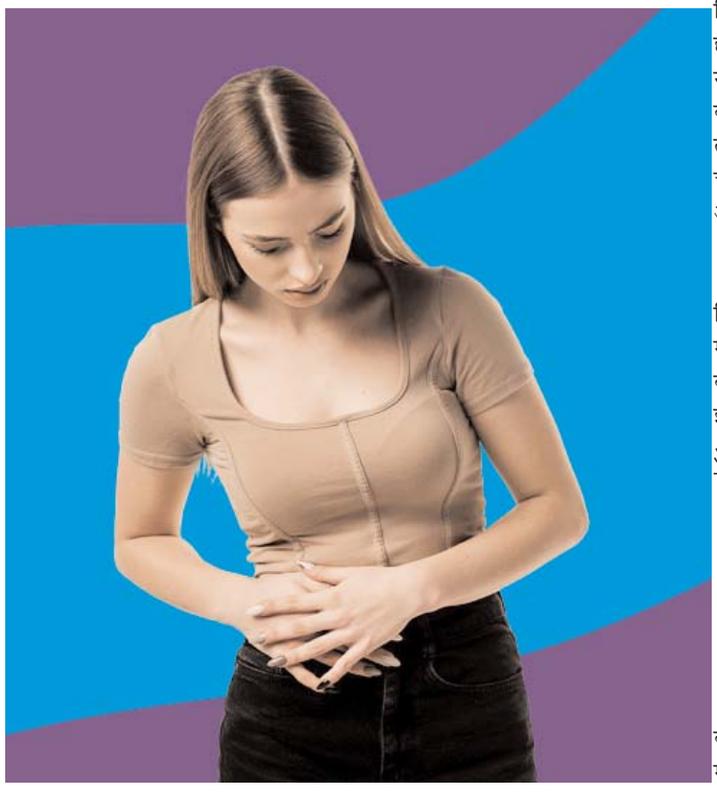

अपेंडिक्स कैंसर होने का खतरा सबसे ज्यादा किसे?

अपेंडिक्स कैंसर काफी रेयर कैंसर होता है. यूं तो किसी भी उम्र में हो सकता है. हालांकि बच्चों व युवाओं में इस तरह के कैंसर के मामले कम देखने को मिलते हैं. कुछ रिसर्च के अनुसार 40 से 60 साल की महिलाओं में इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है.

अपेंडिक्स कैंसर के लक्षण

* बिना कोशिश के वजन कम होना
* पेट के निचले दाहिने हिस्से में लगातार दर्द
* सूजन या पेट का आकार बढ़ना
* दस्त या कब्ज
* मतली और उल्टी

अपेंडिक्स कैंसर का क्या है इलाज?

अपेंडिक्स कैंसर पर डॉक्टर्स दवाइयों के साथ कीमोथेरेपी और लक्षित थेरेपी से इलाज करते हैं. कुछ मामलों में सर्जरी भी करनी पड़ती है.

शार्दुल ठाकुर रणजी ट्रॉफी इतिहास में हैट्रिक लेने वाले मुंबई के पांचवें गेंदबाज बने

मुंबई, ,(आरएनएस)। भारतीय तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने गुरुवार को शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले गए रणजी ट्रॉफी मैच में मेघालय के खिलाफ मुंबई के लिए हैट्रिक बनाई।

मेघालय के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लेने के बाद मुंबई के लिए गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए ठाकुर ने तीसरे ओवर में अनिरुद्ध बी, सुमित कुमार और जसकीरत को आउट किया तथा पारी की चौथी गेंद पर निशांत चक्रवर्ती को आउट किया।

शार्दुल ठाकुर इस सीजन में दूसरे गेंदबाज बने हैं जिन्होंने हैट्रिक ली है। इससे पहले इस सीजन में पुदुचेरी के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के ऋषि धवन ने हैट्रिक ली थी।इसके अलावा, 33 वर्षीय ठाकुर रणजी ट्रॉफी इतिहास में हैट्रिक लेने वाले मुंबई के पांचवें गेंदबाज बन गए।उनसे पहले मुंबई के लिए जहांगीर बेहरामजी खोत ने बड़ौदा के खिलाफ (1943/44), उमेश नारायण कुलकर्णी ने गुजरात के खिलाफ (1963/64), अब्दुल मूसाभाई इस्माइल ने सौराष्ट्र के खिलाफ (1973/74) और रॉयस्टन हेरोल्ड डायस ने बिहार (2023/24 सीजन) के खिलाफ हैट्रिक ली थी।इस सत्र में अब तक सात मैचों में ठाकुर ने एक शतक और दो अर्धशतक के साथ 20 विकेट और 297 रन बनाए हैं। ठाकुर के 4-14 के अलावा, मोहित अवस्थी ने दो विकेट लिए, जिससे मुंबई ने मेघालय को 12 ओवर में 29-6 के स्कोर पर रोक दिया।ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर काबिज मुंबई को बोनस अंक हासिल करने के लिए मौजूदा मैच को एक पारी या 10 विकेट से जीतना होगा। ऐसा करने पर वे जम्मू-कश्मीर (29 अंक) के साथ बराबरी पर आ जाएंगे, जबकि बड़ौदा (27 अंक) दूसरे स्थान पर है।

हॉकी इंडिया ने प्रो लीग भुवनेश्वर चरण के लिए टीम घोषित की

-अंगद, अर्शदीप सीनियर टीम में शामिल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के भुवनेश्वर चरण से पहले 32 सदस्यीय पुरुष टीम की घोषणा की, जो कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे, जबकि उनके साथ डिप्टी हार्दिक सिंह होंगे। भारत अपने अभियान में 15 से 25 फरवरी तक स्पेन, जर्मनी, आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मैच खेलेगा, जिसमें प्रत्येक टीम के साथ दो-दो मैच खेले जाएंगे।

जूनियर टीम और मौजूदा हॉकी इंडिया लीग में प्रभावशाली प्रदर्शन ने 22 वर्षीय अंगद बीर सिंह और 20 वर्षीय अर्शदीप सिंह को आगामी एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया है। टीम में पहली पसंद के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक के साथ सूरज करकेरा और प्रिंसदीप सिंह शामिल हैं। जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, वरुण कुमार और यशदीप सिवाच डिफेंस में तैनात रहेंगे।

मिडफील्ड में टीम में राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, उप कप्तान हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह और राजिंदर सिंह हैं।आक्रमण में अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, बॉबी सिंह धामी, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, अरायजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह, अंगद बीर सिंह और अर्शदीप सिंह खेलेंगे।टीम के चयन भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच क्रेग फल्टन ने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के आगामी भुवनेश्वर लेग मैचों के लिए हमने जो टीम चुनी है, उससे बेहद खुश हूं। मेरा मानना है कि यह टीम हमें मैच जिता सकती है, सामंजस्य बिठाकर खेल सकती है और सबसे महत्वपूर्ण बात, हॉकी का शानदार ब्रांड खेल सकती है। शिविर में खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण लेने और अपने प्रो लीग अभियान को सही तरीके से शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा, प्रिंसदीप सिंह,

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, नीलम संजीप जेस, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच

मिडफील्डर: राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, राजिंदर सिंह

फॉरवर्ड: अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, उत्तम सिंह, अर्शदीप सिंह।

उस्मान ख्वाजा ने जड़ा करियर का पहला दोहरा शतक

-ऐसा करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने, विशाल स्कोर की तरफ कंगारू

नईदिल्ली (आरएनएस)। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच गाले में खेला जा रहा है. ये टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के लिए काफी यादगार रहा है. लंब समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे ख्वाजा ने न सिर्फ फॉर्म में वापसी करते हुए शतक लगाया है बल्कि अपने शतक को दोहरे शतक में बदला है. ये उनके करियर का पहला दोहरा शतक है. साथ ही वे श्रीलंका में दोहरा शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं. उस्मान ख्वाजा ने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का आगाज किया था. पिछले 14 साल में उन्होंने अपने करियर में खेले 78 टेस्ट में 15 शतक लगाए थे. गाले टेस्ट उनके करियर का 79 वां टेस्ट है. उन्होंने 16 वां शतक जड़ा है और इस शतक को उन्होंने दोहरे शतक में बदल दिया है. ख्वाजा श्रीलंका में टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं. दूसरे दिन लंच तक ख्वाजा 298 गेंद में 204 रन बनाकर नाबाद थे. इसमें 16 चौके और 1 छक्के शामिल हैं. ये टेस्ट स्टीव स्मिथ के लिए भी शानदार रहा है. इस टेस्ट में स्मिथ ने अपने करियर के 10,000 रन पूरे किए हैं. स्मिथ ने इस पारी में 35 वां शतक लगाया. वे दूसरे दिन लंच से पहले 251 गेंद पर 12 चौके और 2 छक्के लगाते हुए 141 रन बनाकर आउट हुए. ऑस्ट्रेलिया इस मैच में बड़े स्कोर की तरफ तेजी से बढ़ रही है. दूसरे दिन लंच तक ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट के नुकसान पर 475 रन बनाए हैं. ख्वाजा 204 के साथ जोश इंग्लिश 44 के स्कोर पर नाबाद हैं. पहले दिन हेड 57 और मार्नस लाबुशेन 20 रन बनाकर आउट हुए थे।

विराट कोहली से मिलने मैदान में घुसा फैन, छुए पैर, फिर सुरक्षाकर्मियों ने किया ये हाल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली और रेलवे के बीच रणजी ट्रॉफी का मैच खेला जा रहा है. दिल्ली की तरफ से खेल रहे विराट कोहली इस मैच का मुख्य आकर्षण हैं. दिल्ली एंव जिला क्रिकेट संघ ने इस मैच के लिए एंट्री फ्री कर रखी है. इस वजह से फैंस की भारी भीड़ है. अमूमन रणजी ट्रॉफी के मैचों में दर्शक दीर्घा खाली रहता है. लेकिन इस मैच में विराट की वजह से स्टेडियम भरा हुआ है. मैच के दौरान एक फैन विराट से मिलने के लिए मैदान में धुस गया. इसके बाद जो हुआ उसने शायद सोचा भी नहीं होगा.

खचाखच भरे स्टेडियम में से एक फैन सारे सुरक्षा घेरे को तोड़ता हुआ मैदान में जा पहुंचा. वो विराट कोहली के पास पहुंचा और उनके पैर छुए. इतने में सुरक्षाकर्मी आ गए और उसे पकड़ कर ले जाने लगे. फैंस की इस हरकत से सुरक्षाकर्मी काफी गुस्से में दिखे. एक सुरक्षाकर्मी को गुस्से में फैन को थप्पड़ लगाते भी देखा गया.

विराट कोहली ने आखिरी बार 2012 में दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच खेला था. तब वे बतौर बल्लेबाज विश्व क्रिकेट में दस्तक दे रहे थे. वे जब वापस आए हैं तो उनका रुतबा एक महान बल्लेबाज का बन चुका है. ऐसे में विराट को देखने के लिए भीड़ का जुटना लाजमी था. फैंस के लिए इस मैच के परिणाम से ज्यादा महत्व विराट को देखना, उनके साथ सेल्फी लेना या उनका ऑटोग्राफ लेना है. 30 जनवरी की सुबह से ही अरुण जेटली स्टेडियम के पास भीड़ जमा होने लगी थी और मैच शुरु होने तक ये भीड़ एक हुजूम का रुप ले चुकी थी. दिल्ली के कप्तान आयुष बडोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है. ये फैसला भी जैसे विराट फैंस को खुश करने के लिए ही लिया गया है. गेंदबाजों ने अपने कप्तान के फैसले को सही साबित किया है.

स्मिथ 40 की उम्र तक खेल सकते हैं : इयान हीली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान हीली का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की श्रीलंका के खिलाफ गाले में बल्लेबाजी देखने के बाद उन्हें लगता है कि स्मिथ 40 की उम्र तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते हैं। स्मिथ ने गाले में पहली पारी में 10,000 टेस्ट रन का मील का पत्थर हासिल किया, जहां उन्होंने 141 रन बनाकर इस प्रारूप में अपना 35वां शतक भी पूरा किया।मैं बहुत खुश था, उसने अपनी पीठ थपथपाई। मुझे लगा कि वह स्पष्ट सोच रखता है, और वह गेंद को खूबसूरती से टाइम कर रहा था, यहां तक कि अपने डिफेंस में भी। मैं कह रहा हूं कि वह अब 40 तक खेल सकता है।

हीली ने एसईएनक्यू से कहा, उनके सामने बहुत कुछ है। 35 वर्षीय खिलाड़ी एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग के साथ 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि तीनों ही टेस्ट टीम के कप्तान थे जब उन्होंने अपना 10,000वां रन बनाया था।

मुंबई इंडियंस के नए खिलाड़ी रियान रिकल्टन ने एसए20 में मचाई तबाही

नईदिल्ली (आरएनएस)। साउथ अफ्रीका टी 20 लीग का जलवा इस समय क्रिकेट फैंस के सर चढ़कर बोल रहा है. इस लीग में कई ऐसे क्रिकेटर खेल रहे हैं जो आईपीएल 2025 में कई टीमों की तरफ से अपना जलवा बिखेरते नजर आएंगे. सबसे ज्यादा खुश मुंबई इंडियंस नजर आ रही है. इस टीम ने जिस बल्लेबाज को नीलामी में खरीदा था फिलहाल वो साउथ अफ्रीका लीग में गेंदबाजों का सिरदर्द बना हुआ है। मौजूदा समय में अगर किसी बल्लेबाज का खौफ सबसे ज्यादा है तो वो हैं ट्रेविस हेड. मुंबई इंडियंस के नए खिलाड़ी रियान रिकल्टन का साउथ अफ्रीका लीग में कुछ ऐसा ही खौफ है. बाएं हाथ के 28 साल के इस बल्लेबाज ने लीग के 5 मैचों में 59.25 की औसत और 178.2 की स्ट्राइक रेट से 3 अर्धशतक लगाते हुए 237 रन बनाए हैं. वे फिलहाल लीग के 5 वें सबसे सफल गेंदबाज हैं. वे 13 छक्के और 24 चौके लगा चुके हैं। रियान रिकल्टन की बेहतरीन परफॉर्मेंस ने मुंबई इंडियंस की एक सबसे बड़ी चिंता दूर कर दी है. एमआई ने पिछले साल ईशान किशन को रिलीज कर दिया था और नीलामी में भी उनके लिए बोली नहीं लगाई. ईशान लंबे समय से टीम के लिए रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे थे. ऐसे में एमआई की चिंता रोहित के ओपनिंग पार्टनर को लेकर थी. रिकल्टन की फॉर्म ने ये चिंता दूर कर दी है. रोहित के साथ मुंबई के लिए वे आईपीएल 2025 में पारी की शुरुआत करते हुए नजर आ सकते हैं. रियान रिकल्टन साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. वे अपनी राष्ट्रीय टीम की तरफ से 13 टी 20 मैचों में 134.87 की स्ट्राइक रेट से 263 रन बना चुके हैं. सर्वाधिक स्कोर 76 है. वहीं कुल 112 टी 20, जिसमें दुनिया के अन्य टी 20 लीग शामिल हैं में 140 से उपर की स्ट्राइक रेट और 29.77 की औसत से 1 शतक और 20 अर्धशतक लगाते हुए 2948 रन बना चुके हैं।

विदेश समाचार

अमेरिकी विमान हादसा

नदी से 19 शव मिले, रेस्क्यू आपरेशन जारी; वॉशिंगटन एयरपोर्ट पर उड़ानों पर रोक

वाशिंगटन डीसी,(आरएनएस) । अमेरिकी विमान हादसा : अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में रीगन नेशनल एयरपोर्ट के पास अमेरिकन एयरलाइंस के एक विमान की अमेरिकी सेना के हेलीकॉप्टर से टक्कर हो गई। क्रैश के बाद यात्रियों से भरा विमान और हेलीकॉप्टर दोनों पोटोमैक नदी में गिर जा गिरे। नदी से 19 शव निकाले गए हैं। सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के बाद से रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर सभी उड़ानें अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं।

विमान अमेरिकी शहर कंसास सिटी से वाशिंगटन आ रहा था। कनाडा एयर का विमान था। अमेरिकी सेना का हेलीकॉप्टर ब्लैकहॉक (॥-60) था। विमान दुर्घटना के बाद पोटोमैक नदी में खोज और बचाव अभियान चल रहा है।

सोशल मीडिया पर वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे विमान ने रीगन एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर को टक्कर मारी। इस बीच घटना के बाद सभी उड़ानें रोक दी गईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि टक्कर के बाद विमान आग का गोला बन जाता है। आसमान में चिंगारी फूट जाती है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस घटना को लेकर एक्स पर पोस्ट किया है, उन्होंने कहा, 'हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं, फिलहाल बेहतरी की उम्मीद करते हैं।

रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर हुआ विमान हादसा दुखद, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन(आरएनएस) । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास हुए विमान हादसे पर दुख जताया है।

राष्ट्रपति ने अपने बयान कहा, मुझे रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई भीषण दुर्घटना के बारे में अवगत करा दिया गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

इसके अलावा, उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे लोगों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि हदासे के बाद स्थिति को सामान्य करने में जुटे सभी लोगों का धन्यवाद।

राष्ट्रपति ने कहा कि मैंने पूरी स्थिति पर नजर बनाकर रखी है, जैसे ही मुझे इस संबंध में कोई अतिरिक्त जानकारी मिलेगी, तो मैं निश्चित तौर पर उसे आपके बीच साझा करूंगा। बता दें कि अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास एक यात्री विमान हेलीकॉप्टर से टकराकर हादसे का शिकार हो गई। इस विमान में 60 यात्री सवार थे। यह विमान कंसास सिटी से वाशिंगटन जा रहा था। इस दौरान यह हेलीकॉप्टर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सिन्हुआ ने अमेरिकी मीडिया के हवाले से बताया कि विमान में 60 यात्री और 4 क्रू मेंबर्स सवार थे।

वाशिंगटन डीसी फायर सर्विसेज के मुताबिक, यह घटना बुधवार शाम को हुई। इस हादसे के बाद कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। विमान और हेलीकॉप्टर के बीच हुई टक्कर की वजह से यह हादसा हो गया। पोटोमैक नदी में विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इसके बाद नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन का कार्य जारी है।

सऊदी अरब में भीषण सड़क हादसा, 9 भारतीयों की मौत; जयशंकर ने जताया दुख

जेद्दा ,(आरएनएस) । सऊदी अरब के पश्चिमी क्षेत्र में जीजान के पास हुए भीषण सड़क हादसे में नौ भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वह प्रभावित परिवारों के संपर्क में है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, इस दुर्घटना और जान गंवाने वालों के बारे में जानकर दुखी हूं। जेद्दा में हमारे महावाणिज्यदूत से बात की, जो प्रभावित परिवारों के संपर्क में हैं। वे इस दुखद स्थिति में हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।

सऊदी अरब के जीजान में हुआ यह हादसा भारतीय समुदाय के लिए एक बड़ा झटका है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह सऊदी अरब के अधिकारियों के साथ मिलकर इस मामले की जांच कर रहा है। इसके अलावा, दूतावास ने एक हेल्पलाइन भी जारी की है, जहां हादसे में मारे गए लोगों के परिजन संपर्क कर सकते हैं।

भारत सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर लगातार नजर रखे हुए है। भारत सरकार ने सऊदी अरब सरकार से इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में चलना भूलीं, वापसी के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क से मांगी मदद

न्यूयॉर्क ,(आरएनएस) । भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स लगातार सात महीने से अंतरिक्ष में हैं और अब उन्हें धरती पर चलना फिर से सीखना पड़ेगा। विलियम्स ने हाल ही में एक स्कूल में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वह अंतरिक्ष में इतने लंबे समय तक रहने के बाद चलने के तरीके को भूल गई हैं।

विलियम्स ने कहा, 'अब मैं यहां काफी लंबे समय से हूं। अब मुझे याद करना पड़ रहा है कि चलना कैसे है? मैं अरसे से चली नहीं हूं। नीचे बैठी नहीं हूं। मैं लेटी भी नहीं हूं। हालांकि यहां ऐसा करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है। आप बस आंखें मूंदे रखिये और यहां तैरते रहिये।' विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर हैं। उनकी वापसी के लिए भेजा गया स्पेसक्राफ्ट खराब हो जाने के कारण वे फंसे हुए हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से इन अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने का अनुरोध किया है।

नासा का कहना है कि विलियम्स और विल्मोर पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उनका मनोबल उच्च है। हालांकि, लंबे समय तक शून्य गुरुत्वाकर्षण में रहने के कारण उनके शरीर पर कुछ प्रभाव पड़े हैं।

सुनीता विलियम्स जून 2024 में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर आने के बाद वापस धरती पर इसलिए नहीं लौट पाईं थीं कि उन्हें लाने वाला अंतरिक्षयान स्टारलाइनर खराब हो गया था और उससे वापसी सुरक्षित नहीं है। सुनीता समेत दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को अगस्त तक वापस लौटना था। हालांकि नासा ने लगातार कहा है कि अंतरिक्ष यात्री फंसे नहीं हैं और वे स्वस्थ और अच्छे लोगों से जुड़े हैं।

पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में 11 साल की सजा

न्यूयॉर्क ,(आरएनएस) । पूर्व डेमोक्रेट सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी के एक मामले में 11 साल की सजा सुनाई गई है। वो विदेशी एजेंटों से घूस लेने के दोषी ठहराए गए थे।संघीय न्यायाधीश सिडनी स्टीन ने बुधवार को 71 वर्षीय मेनेंडेज को यह सजा सुनाते हुए कहा, आप हमारी राजनीतिक व्यवस्था के शीर्ष पर थे लेकिन आप अपना रास्ता भूल गए और जनता की भलाई के लिए काम करने की बजाय आप अपनी भलाई के लिए काम करने लगे। न्यू जर्सी का प्रतिनिधित्व करने वाले मेनेंडेज को नकदी, सोने की छड़ें और एक मर्सिडीज बेंज कार मिली थी। उन्हें जुलाई में मिस्र के एजेंट के रूप में कार्य करने, रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और षड्यंत्र सहित 16 आरोपों में दोषी ठहराया गया था। उनकी पत्नी नादिन मेनेंडेज पर भी आरोप हैं, लेकिन उनका मुकदमा स्थगित है क्योंकि वह कैंसर का इलाज करा रही हैं।रिश्वत देने वाले दो व्यापारियों को भी बुधवार को जेल की सजा और 1 मिलियन डॉलर से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया। एक अन्य व्यापारी ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया और अभियोजन पक्ष के गवाह के तौर पर पेश होकर सरकारी गवाह बन गया।इस मामले में कतर का नाम तो आया, लेकिन सीधे तौर पर इसमें उसकी कोई भूमिका नहीं थी। अभियोजकों ने कहा कि रियल एस्टेट डेवलपर को वहां से वित्तपोषण प्राप्त करने में मदद करने के लिए मेनेंडेज ने राज्य के बारे में सकारात्मक टिप्पणियां की।

भारी रक्तपात के बाद क्या बांग्लादेश में हसीना की पार्टी फिर खड़ी हो पाएगी

ढाका (ए)। बांग्लादेश का करीब डेढ दशक तक नेतृत्व करने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा दिए पांच महीने हो गए हैं। उन्होंने तब इस्तीफा दिया जब देश में उनके खिलाफ आक्रोश बढ़ गया और यह रक्तपात में बदल गया। अब सवाल है कि पांच महीने बाद, उनकी पार्टी जो बांग्लादेशी राजनीति में एक प्रमुख शक्ति रही है अभी भी खुद को फिर से खड़ा कर पाएगी। पार्टी इसके लिए संघर्ष कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और मध्यम स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच एक गहरा विभाजन उभर रहा है। जो मानते हैं कि अवामी लीग को अपनी गलतियों पर विचार करना चाहिए। कई अवामी लीग नेता जिम्मेदारी से बचते रहते हैं।

पार्टी के संयुक्त सचिव, एएफएम बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि हम एक अंतरराष्ट्रीय साजिश के शिकार हैं, यह जल्द ही साबित हो जाएगा। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किसे आरोपित कर रहे थे। विश्लेषकों का कहना है कि ऐसे दावे नेतृत्व की विफलताओं और जनता की शिकायतों को संबोधित करने में असमर्थता को उजागर करते हैं। बता दें कि 23 अक्टूबर 2024 को, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने बीसीएल पर प्रतिबंध लगा दिया। एक बार प्रभावशाली बीसीएल नेता ने अपनी सुरक्षा के लिए अपने संघर्ष की कहानी सुनाई। वह पड़ोसी गोपालगंज भाग गए और फिर ढाका में एक नई पहचान के साथ बस गए। उन्होंने कहा, मैंने अपना फेसबुक अकाउंट, फोन नंबर और सब कुछ बदल दिया है। मैंने जीवित रहने के लिए एक छोटा व्यवसाय शुरू किया है।

नवागत जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने पदभार ग्रहण किया

सीहोर(निप्र)। भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2018 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ नेहा जैन ने सीहोर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया । आईएएस अधिकारी डॉ नेहा जैन सीहोर पदस्थापना से पहले अशोक नगर में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ थीं। पदभार ग्रहण करने से पहले उन्होंने कलेक्टर बालागुरू के. से भेंट की। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद डॉ नेहा जैन ने जिला पंचायत के अधिकारियों की बैठक लेकर सभी से परिचय प्राप्त किया तथा जिले में चल रहे पंचायत तथा ग्रामीण विकास के कार्यों की जानकारी ली।

शहीदों की स्मृति में जिला अस्पताल में दो मिनिट का मौन धारण

महात्मा गांधी के त्याग को याद कर स्पर्श अभियान का प्रारंभ किया

सीहोर(निप्र)। जिला अस्पताल में स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में दो मिनिट का मौन धारण रखा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि शहीदों की स्मृति में दो मिनिट का मौन धारण रखा। इसके बाद स्पर्श पखवाड़े का शुभारंभ किया किया गया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर देश में अहिंसा के संदेश और राष्ट्र प्रेम के बारे में तथा स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों के बारे में उपस्थित स्टाफ तथा ओपीडी के लोगों को इकट्ठा कर बताया तथा स्पर्श पखवाड़े की का शुभारंभ किया।सीएमएचओ डॉक्टर सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि आज जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थानों पीएससी सीएससी एवं शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में और सभी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभारी द्वारा महात्मा गांधी के बलिदान को त्याग को याद कर स्पर्श अभियान का प्रारंभ किया गया है। इस पखवाड़े की सफलता के लिए डॉक्टर डेहरिया ने जन समुदाय से अपील की गई है कि स्वास्थ्य विभाग की इस पखवाड़े में आगे आकर सहयोग करें ताकि छिपे हुए मरीजों का स्वास्थ्य लाभ के लिए उपचार प्रारंभ किया जा सके और एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके। आमजन विभाग के साथ सहयोग करें। इस अभियान की सफलता में शासन की मदद करें ताकि हमारा संपूर्ण समाज स्वस्थ एवं कुशल जीवन यापन कर सके।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में आईपीआर अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन

सीहोर(निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाविद्यालय में आईपीआर अवेयरनेस कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के सहयोग से एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. रोहिताश्व कुमार शर्मा के द्वारा किया इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए। गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर. एन. के. चौबे ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट इन इंडिया पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और विद्यार्थियों और शिक्षकों को आईपीआर से अवगत कराया। डॉ. अजय कुमार चौबे द्वारा इंपोर्टेंस ऑफ़ इनोवेशन इन इंडिया स्टार्टअप इकोसिस्टम विषय पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ अपना ज्ञान साझा किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि परमद्य निषेध संकल्पन दिवस का आयोजन

सीहोर(निप्र)। 30 जनवरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर ''मघ निषेध संकल्पक दिवस'' का अयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा किया गया। मद्य निषेध संकल्पन दिवस कार्यक्रम के लिए नवागत कलेक्टर बालागुरू के निर्देशानुसार विशाल रैली का अयोजन एवं नशा मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली आवासीय खेलकूद संस्थान से प्रारंभ होकर चंद्रशेखर आज़ाद महाविद्यालय में समापन्न किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक महेश कुमार यादव द्वारा बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यदतिथि से जिले के समस्त विकास खंडों एवं शासकीय संस्थानों में ''मघ निषेध संकल्प दिवस'' का अयोजन किया जा रहा है जिसमे नशा मुक्ति एवं जनजागृति अभियान चलाया जाएगा समाज में नशे से पीढ़ित व्यक्तियों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए जन समुदाय एवं समाज को जाग्रत करने का आह्वान किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान अन्तर्गत नशा न किये जाने संबंधित शपथ ग्रहण तहसीलदार श्रीमति नीलम पनसेडीया द्वारा दिलाई गई।

प्रत्येक कार्यालय में बनाए जायेंगे शिकायत अधिकारी

सीहोर(निप्र)। प्रमुख सचिव एवं आयुक्त नि:शक्तजन ने कहा कि दिव्यांगजनों की समस्याओं/शिकायतों के स्थानीय स्तर पर समाधान के लिये शासकीय कार्यालय में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 23 एवं मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के नियम 11 के तहत प्रत्येक सरकारी स्थापना में शिकायत प्रतितोष अधिकारी (Grievance Redressal Officer) नियुक्त किए जाएंगे। इन अधिकारियों की नियुक्ति की सूचना न्यायालय आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश को दी जाएगी।

प्रमुख सचिव ने बताया कि यदि किसी दिव्यांग को अपनी शिकायत पर की गई कार्यवाही से संतोष नहीं होता है, तो उसे मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के नियम 42 के अनुसार गठित जिला स्तरीय समिति के पास जाने का अधिकार होगा। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग जनों को त्वरित और प्रभावी न्याय प्रदान करना है, जिससे उनकी शिकायतों का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके और उन्हें लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना न पड़े।

राम ना बन सको तो विभीषण बन जाना : पं.मोहितरामजी

सीहोर(निप्र)। इस संसार में हर व्यक्ति का भगवान श्री राम के आदर्श चरित्र व्यवहार एवं आचरण से जीना हो सकता थोड़ा कठिन हो आप यदि भगवान श्री राम की तरह न बन सको तो विभीषण बन जाना। जब भी खड़े हो तो धर्म के साथ खड़े होना।

धनवान बलशाली धर्महीन भाई का साथ छोड़ देना, किंतु धर्म का साथ मत छोडना। उक्त वचन हिंदू जगाओं हिंदुस्तान बचाओ संकल्प के साथ दोहरा क्षेत्र के पाल वाले हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही नव दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान कथा व्यास क्रांतिकारी संत परम गौभक्त पंडित मोहितरामजी पाठक ने व्यक्त किये। आगे कथा में वर्णन करते हुए कहा कि जीवन में सभी के साथ विपरीत परिस्थिति आती हैं किंतु भरत ने अपनी माता के केकई अंगद ने अपने पिता बाली को छोड़ दिया पहलाद ने अपने पिता हिरण कश्यप को छोड़ दिया विभीषण ने अपने भाई रावण को छोड़ दिया किंतु धर्म रूपी श्रीराम का साथ कभी नहीं छोड़ा इसलिए हम सभी को भी धर्म सनातन और अपने ईष्ट भगवान श्रीराम रामचरितमानस का पाठ हनुमान चालीसा का पाठ और हमारी संस्कृति को कभी नहीं छोडना चाहिए यही श्रीराम कथा हमें सिखाती है। एक-एक सनातनी हिंदू जन को भगवान श्री राम का चरित्र और आचरण अपने जीवन में उतरना चाहिए यही भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम की सच्ची पूजा होगी आज तृतीय दिवस की कथा में भगवान शिव एवं माता पार्वती का विवाह महोत्सव बड़ी धूमधाम से कथा पंडाल में मनाया जाएगा। आयोजन समिति श्रीपाल वाले बाबा हनुमान मंदिर ने संपूर्ण क्षेत्र वासियों से कथा में पधार कर धर्म लाभ लेने का आग्रह किया।

जहरीले रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही है कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियां-विकास नागर

सीहोर(निप्र)। देश में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोगों व कीट नियंत्रकों के उपयोग से जमीन में जैविक कार्बन की मात्रा लगातार घट रही है। जहरीले रसायनों के प्रयोग से कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियां बढ़ गई है। शिवशक्ति बायो ग्रुप द्वारा ग्राम बल्ड़ी में एक किसान संगोष्ठी में बताया कि मृदा में आवश्यक न्यूनतम मानक से 18 गुणा तक कम हो गई है। उपजाऊ मिट्टी में जैविक कार्बन की न्यूनतम मात्रा 0.90 प्रतिशत आवश्यक है। देश में 2016 में 6 करोड़ के लगभग हुए मिट्टी जांच परीक्षणों की रिपोर्ट में मिट्टी में उपलब्ध जैविक कार्बन की मात्रा केवल 0.05 प्रतिशत पाई गई थी। मृदा में जैविक कार्बन में 0.01-0.02 प्रतिशत की कमी धरती को पूरी तरह बंजर कर सकती है। अमरीका की एक संस्था इंटरनेशनल फैडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक एग्रीकलचर मूवमेंट ने भी अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत में वर्तमान कृषि पद्धति को नहीं सुधारा गया तो 2030 तक मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा खतरनाक स्तर तक गिर करके 0.025 प्रतिशत के स्तर तक आ सकती है, जो बीजों के अंकुरण में अक्षम होगी व जमीन बंजर हो जाएगी। देश में अभी प्रमाणिक रूप से केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्से में ही जैविक कृषि हो रही है।

जमीन को बंजर होने से बचाने का एक मात्र उपाय गौ आधारित जैविक कृषि पद्धति हैं। रसायन के कारण खेती बाजार आधारित हो गई, जिससे फसल उत्पादन लागत बढ़ने से खेती घाटे का कारण बन रही है। रसायनिक पद्धति से गेहूं उत्पादन करने पर उसकी प्रति किलो लागत 30 रुपए आती है वहीं अगर इसे जैविक कृषि पद्धति से उत्पादित किया जाए तो इसकी लागत 11 रुपए किलो तक घटाई जा सकती है।

गांवों को जोडने वाली सड़के चौड़ी और गुणवत्तापूर्ण बनेंगी, समृद्धी खुशियाली के लिए सड़कों का दुरुस्त होना जरुरी : विधायक राय

-पांच करोड़ रूपये लागत की 4 सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन
-विधायक सुदेश राय ने कन्यापूजन कर गांवों के बुजुर्गो से संपन्न कराया

सीहोर (निप्र)। विधायक सुदेश राय ने गुरूवार को विधानसभा क्षेत्र के चार गांवों में बुजुर्गो से पांच करोड़ रूपये से अधिक की लागत राशि से बनने वाली चार महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन संपन्न कराया। भूमिपूजन कार्यक्रमों में उपस्थित जनसमुह को विधायक सुदेश राय ने संबोधित किया उन्होने कहा की गांवों को जोड़ने वाली चारों सड़के चोड़ी और गुणवत्तापूर्ण बनेंगी,गांवों की समृद्धी खुशियाली के लिए सड़कों का दुरूस्त होना जरूरी है। जनपद सदस्यों सरपंचों पंचों क्षेत्र के भाजपा मंडल अध्यक्षों पदाधिकारियों ग्रामीणों के द्वारा गांवों में पहुंचने पर विधायक सुदेश राय का जोरदार ढोल ढमाकों के साथ पुष्प मालाऐं पहनाकर पगड़ी बांधकर अतिशबाजी चलाकर भव्य स्वागत किया गया।

अब कैसे है पहले के गांवों में मौजूद सड़कों स्कूलों को देखों और अब देखों तस्वीर बदली नजर आएगी यह सब भारतीय जनता पार्टी का कमाल है।

गांवों को जोडेंगी चारों डामर सड़क

विधायक सुदेश राय ने स्वयं सड़कों का भूमि पूजन नहीं करते हुए विधिविधान से ग्राम कतपोन क्रेशर से हालियाभील तक एक करोड़ 11 लाख .94 हजार रूपयें से बनने वाली 1.40 किलो मीटर सड़क और मोतीपुरा से मगरदा तक एक करोड़ 21 लाख 44 हजार रूपये से बनने वाली 2 किलोमीटर की सड़क एवं सौंठी से सोंठीपुरा तक एक करोड़ 60 लाख 30 हजार रूपये से बनने वाली 1.50 किलोमीटर सड़क और घाटपलासी से सोंडा तक एक करोड़ 68 लाख 43 हजार रूपये की लागत से बनने वाली की 2.20 किलो मीटर डामर सड़क का भूमि पूजन गांव के ही बुजुर्गो से मंत्रोंउचार के मध्य सम्पन्न कराया और फूल मालाऐं पहनाकर बुजुर्गो का सम्मान भी किया।

किसानों की परेशानियों को समझता हूं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सुदेश राय ने कहा की आपका में सेवक हूं गांव की समृद्धी खुशियाली मेरे लिए प्रथम है, गांव मेरे हदृय में बसता है में भी किसान हूं किसानों की परेशानियों को समझता हूं अनाज को मंडी या खरीदी केंदों तक ले जाने में सड़कों का दुरूस्त होना बहुत जरूरी है यह सभी सड़के चोड़ी और गुणवत्तापूर्ण बनेंगी बारिश में भी कोई दिक्कत नहीं होगी। उन्होने कहा की पंद्रह वर्ष पहले गांव कैसे थे और अब कैसे है पहले के गांवों में मौजूद सड़कों स्कूलों को देखों और अब देखों तस्वीर बदली नजर आएगी यह सब भारतीय जनता पार्टी का कमाल है।

पीएम ने दी दो हजार करोड़ की योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, सासंद आलोक शर्मा क्षेत्र की तरक्की में बड़ी सहभागीता निभा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने क्षेत्र के लिए दो हजार पांच सौ करोड़ की बड़ी सिंचाई योजना की सौगात दी है। क्षेत्र में लाखों करोड़ों नहीं खरवों के रूपये के निर्माण कार्य ग्राम पंचायतों में हो रहे है गांवों में सुगम यातायात व्यवस्था के लिए लगातार हम कार्य कर रहे है। नई डामर सड़कों से ग्रामीणों को आवागमन में भी बड़ी राहत मिलेगी और रहवासियों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।तत्पश्चात विधायक सुदेश राय के द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ग्रामीणों से विभिन्न विकास कार्यो को लेकर चर्चा की गई गांवों में कुछ ग्रामीणों के द्वारा समस्याओं के निराकरण के लिए विधायक राय को आवेदन भी दिए गए। उन्होने समस्याओं के निराकरण का आश्वासन आवेदनकताओं को दिया।

सेवादल कांग्रेस ने डैम के डूब क्षेत्र में आई किसानो की भूमि का मुआवजा राशि प्रदान करने ज्ञापन सौंपा

सीहोर (ए.)। सेवादल कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र खंगराले ने साथियों सहित जिले के कलेक्टर वालागुरु के प्रतिनिधि डिप्टी कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत से भेंट कर ज्ञापन सोपा वरिष्ठ कांग्रेस नेता सीताराम भारती द्वारा ज्ञापन का वाचन किया गया। इस अवसर पर खंगराले ने बताया कि जावर तहसील में सन 2021 से कन्या खेड़ी डैम का निर्माण किया जा रहा है डैम के डूब क्षेत्र में आई सिंचित भूमि के कृषको को मुआवजा राशि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भू अर्जन अधिकारी आष्टा द्वारा कई वास्तविक किसानों के नाम नहीं जोड़े गए हैं जिनकी खेती, कुआं, फलदार वृक्ष, एवं मकान आदि डूब क्षेत्र में आ गए है। तथा उन किसानों की निजी भूमि है। कई कृषकों को मुआवजा राशि का भुगतान किया जा चुका है किंतु वास्तविक पीडित हकदार किसान कार्यालय के आज भी चक्कर काट रहे हैं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री डॉ. अनीसा खान, फूडरा के सरपंच शमशेर खान, इंजीनियर जितेद्र सिंह कल्याणपुरा केशवपुर के दलित किसान बाबूलाल मालवीय के साथ मुआवजा की मांग करने भारी संख्या में किसान कलेक्टर कार्यालय सीहोर ज्ञापन सोपने पहुंचे। डिप्टी कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत द्वारा आष्टा एसडीएम तथा कार्यपालन यंत्र जल संसाधन विभाग सीहोर को जांच कर वनचित किसानो को मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान के निर्देश दिए गए इस अवसर पर प्रमुख रूप से पंकज शर्मा दीपक सोनकर पन्नालाल खंगराले एडवोकेट श्रवण बस्तावर मोहित वर्मा पवन सिंह खाती गोपाल वर्मा रामनारायण वर्मा धनलाल वर्मा हेमंत वर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सिद्धपुर अशासकीय शिक्षक संगठन के आह्वान पर स्कूल बंद सफल

सीहोर(निप्र)। सिद्धपुर अशासकीय शिक्षक संगठन के आह्वान पर गुरुवार को अशासकीय स्कूलों के विभिन्न संगठनों एमपी बोर्ड के पहली से आठवीं कक्षा तक के प्राइवेट स्कूल बंद हैं। मान्यता के नियम में रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त के विरोध में बंद बुलाया गया है। बंद का असर देखा जा गया। अशासकीय स्कूलों के विभिन्न संगठनों द्वारा कक्षा 8 वीं तक के स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण में नए नियमों के कारण जा रही समस्याओं के निराकरण एक दिवसीय बंद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले के अधिकतर स्कूल बंद रहे। सीबीएसई स्कूलों द्वारा भी बंद का समर्थन किया गया। संगठन के अध्यक्ष श्री मिश्रा का कहना है कि हमारी चार सूत्रीय मांग है। जिसमें 1 रजिस्ट्रर्ड किरायानामे की शर्त समाप्त की जाए। 2. एफडी की अनिवार्यता समाप्त की जाए। 3. मान्यता नवीनीकरण शुल्क समास किया जाए। 4. मान्यता नवीनीकरण हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी के समान 5 वर्षों के लिए किया जाए। संगठन के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा ब्लाक अध्यक्ष सीहोर जीएस कुंतल, इछावर ब्लाक अध्यक्ष सतीश शर्मा, आष्टा ब्लाक अध्यक्ष भोलू सिंह ठाकुर, श्यामपुर ब्लाक अध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीवास्तव, जिला सचिव राजेश सिंह भदौरिया संहित चन्द्र भूषण बघेल, दीपक राठौर, शरद हुण्डेत, जयंत दासवानी, मनोज पाटीदार, धर्म पुरी, विजेन्द्र ठाकुर आदि संचालकों द्वारा बंद को सफल बनाने पर आभार व्यक्त किया, साथ ही शासन से समस्याओं का निराकरण शीघ्र किए जाने की मांग की गई।

संगठन के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा ने बताया कि सरकार ने मान्यता के नियमों को बहुत जटिल बना दिया है, जिससे सबसे अधिक कठिनाई ग्रामीण जिलों में हो रही है। वहीं एफडी अमाउंट लिया जा रहा है। सत्र 2025-26 की मान्यता में कई स्कूलों के बंद होने की संभावना है। स्कूल बंद होने से उनमें कार्यरत शिक्षक और कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं और इससे जुड़े संस्थान भी प्रभावित होंगे। बच्चों की शिक्षा पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में प्राइवेट स्कूलों से राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पहले शिक्षा के महत्व को समझते हुए मान्यता नियमों को सरल रखा गया था। प्रदेश में ऐसे में सवा लाख से अधिक शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के बेरोजगार होने की संभावना है।

चेक बाउंस में 6 महीने की सजा और जुर्माना

सीहोर(निप्र)। चेक बाउंस के एक मामले में जज ने आरोपी को 6 माह की सजा व 80 हजार रुपए क्षतिपूर्ती के जुर्माना से दंडित किया है। जज द्वारा परिवाद को स्वीकार करते हुए सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने मामला सही पाया और आरोपी को सजा और जुर्माने के आदेश पारित किया है। इस संबंध फरियादी के वकील अवधनारायण दांगी ने बताया कि न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अभियुक्त विरेन्द्र ठाकुर पिता कमल सिंह ठाकुर मेडिकल मार्केट श्यामपुर को छह माह की सजा एवं साढ़े सात लाख से अधिक का जुर्माना किया है। विगत 2022 को सुरेश ठाकुर निवारिया द्वारा चेक बाउंस कराकर अभिकर्त्ता श्री दांगी द्वारा अपनी पैरवी कराई थी। लगभग ढाई साल न्यायालय विरेन्द्र पिता कमल सिंह ठाकुर को छह माह की सजा और करीब सात लाख 55 हजार रुपए फरियादी सुरेश ठाकुर निवारिया को प्रदान करने के संबंध में फैसला दिया है।

पंजीयन होने के बाद भी मैरिज गार्डन पर लाखों का बकाया, नोटिस देने के बाद होगी कार्रवाई शुरु : संजय शुक्ला

सीहोर (निप्र)। शहर में अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में मैरिज गार्डन संचालित हो रहे हैं, शहर के अनेक गार्डन बिना पंजीयन के धड़ल्ले से चल रहे हैं। इससे नपा को जहां राजस्व की क्षति हो रही है, वहीं गार्डन संचालक बिना सुविधाओं के लोगों से मनमाने तरीके से पैसे वूसल रहे हैं। बिना अनुमति चल रहे मैरिज गार्डनों पर नगर पालिका अब सख्ती से कार्रवाई करेगी। अनेक मैरिज गार्डन ऐसे है जिनके पास पार्किंग का स्थान भी नहीं है। जिससे जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। ऐसे मैरिज गार्डनों पर अब सख्ती की जाएगी। नगर पालिका सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने नगर पालिका के अमले के राजस्व अधिकारी संजय शुक्ला को शीघ्र इन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इसके लिए बकायदा राजस्व अधिकारी श्री शुक्ला ने अभियान शुरू किया है। कई ऐसे मैरिज गार्डन है जिनका पंजीयन तो है लेकिन लाखों के बकायादार है। अब ऐसे बकायादारों पर सख्ती से कार्रवाई होगी।मैरिज गार्डन में मिलने वाली सुविधा नाम मात्र की रहती है, भुगतान पूरा करना पड़ता है। मैरिज गार्डन पर लगने वाला टैक्स लोगों से तो ले लेते हैं।, पर नगर पालिका परिषद में पंजीयन नहीं होने से व्यवसायिक कर नहीं जमा करते। यह स्थिति वर्षों से चल रही है। इसकी जानकारी नपा परिषद के जिम्मेदारों को होने के बाद भी अब तक पंजीयन नहीं कराया गया। इससे विवाह मुहूर्त के समय हर दिन की बुकिंग करने वाले गार्डन नपा को ठेंगा दिखा रहे हैं। इसके साथ ही नियमों को भी ताक पर रखते हैं, शहर में आधा दर्जन मैरिज गार्डन कई धर्मशालाएं हैं, लेकिन नगर पालिका कुछ मैरिज गार्डन पंजीयन नहीं, जिसका व्यवसायकि टैक्स जमा करते हैं। जबकि नियम अनुसार सभी मैरिज गार्डनों को व्यवसायकि टैक्स करने का नियम है, परन्तु हौसले बुलंद होने के चलते गार्डन संचालक बिना टैक्स जमा किए ही लगातार बुकिंग ले रहे हैं। शासन द्वारा तय नियमों के अनुसार मैरिज गार्डन के लिए पार्किंग एरिया आदि की व्यवस्था अनिवार्य है। सड़क से दूरी होना, अग्निशमन यंत्र अनिवार्य। बोर्ड पर गार्डन में नियमों की जानकारी लिखना अनिवार्य होता है। जबकि शहर में कई गार्डन इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। वहीं सीएमओं भूपेन्द्र दीक्षित का कहना है कि अगर मैरिज गार्डन बिना अनुमति के चल रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com